''राष्ट्रीय हिंदी दैनिक अखबार''

समाचार गेट

HARHIN11569

वर्ष 02, अंक 66 पृष्ठ 08 मूल्य 01 रूपए शुक्रवार, 07 मार्च 2025 samachargate@gmail.com

जरूरी सूचना

सुधी पाठकों को सूचित किया जाता है कि समाचार गेट के नाम पर अगर कोई पत्रकार आपसे पैसे की मांग करता है तो कृपया 9212339503 पर संपर्क करें। समाचार गेट में कार्य कर रहे पत्रकार सिर्फ वही हैं जिनके नाम से खबर छपती हैं।

सीएम नायब सैनी ने सशस्त्र बलों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए पीएम का किया धन्यवाद

हरियाणा सरकार ने महिलाओं को पुलिस बल में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया, निकट भविष्य में 15 प्रतिशत प्रतिनिधित्व का लक्ष्य

समाचार गेट/संजय शर्मा

गुरुग्राम। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के नव-नियुक्त राजपत्रित अधिकारियों से निष्पक्षता और निडरता से अपने कर्तव्यों का पालन करने की शपथ लेने का आह्वान किया। उन्होंने उनसे कानून और संविधान की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहने, संवेदनशीलता के साथ लोगों के अधिकारों की रक्षा करने और परिस्थितियों की परवाह किए बिना सच्चाई, ईमानदारी और समर्पण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर अडिग रहने का भी आग्रह किया। मुख्यमंत्री आज गुरुग्राम में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के नव-नियुक्त राजपत्रित अधिकारियों के 55वें बैच के पासिंग आउट परेड समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। सीआरपीएफ अकादमी से आज 2 महिला अधिकारियों सहित कुल 39 प्रशिक्षु अधिकारी कठोर प्रशिक्षण पूरा करने के बाद पास हुए। उन्होंने सीआरपीएफ की आधुनिक तकनीकों और प्रशिक्षण तकनीकों को अपनाने के लिए भी सराहना की, जो क्षेत्र में किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार पेशेवर और सक्षम अधिकारियों को विकसित करने में मदद कर रही हैं।

नायब सिंह सैनी ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश की आधी आबादी की शक्ति को पहचानते हुए सशस्त्र बलों में महिलाओं को शामिल करने के ऐतिहासिक निर्णय को भी याद किया। उन्होंने इस पहल के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया, जिसके कारण सशस्त्र बलों में बड़ी संख्या में महिलाओं की भर्ती हुई है। हरियाणा सरकार ने भी महिलाओं को पुलिस बल में सेवा देने के लिए प्रोत्साहित किया है, वर्तमान में राज्य पुलिस में महिलाओं की संख्या 10 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य निकट भविष्य में इस आंकड़े को बढ़ाकर 15 प्रतिशत करना है। अब तक 415 आश्रितों को नौकरी दी जा चुकी है। इस अवसर पर सीआरपीएफ के महानिदेशक श्री ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह, सीआरपीएफ अकादमी के निदेशक श्री सुनील कुमार झा और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

सरकार ने अवैध खनन और ई रवाना बिल की अवहेलना पर सख्त कदम उठाए

फरीदाबाद में गुरुवार को चैकिंग के दौरान ई रवाना बिल न होने पर एक ट्रैक्टर ट्रॉली सीज

समाचार गेट/जितेन्द्र सिंह

फरीदाबाद। अवैध खनन रोकने सहित बिना ई रवाना बिल के निकलने वाले खनिज वाहनों पर हरियाणा सरकार की पारखी नजर है। खनन विभाग के महानिदेशक के.एम.पांडुरंग के आदेशानुसार विभागीय टीम पूरी मुस्तैदी से अपना दायित्व निभाते हुए हर पहलू पर फोकस कर रही है।

जिला खनन अधिकारी कमलेश बिधलान ने जानकारी देते हुए बताया कि विभाग की टीम द्वारा निरन्तर जिला में अवैध खनन न हो इसकी जांच की जा रही है साथ ही जिला से निकलने वाले राष्ट्रीय व राज्य मार्गों सहित अन्य कनेक्टिविटी पर चैकिंग टीम द्वारा खनिज वाहनों की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि गुरुवार को उनकी टीम ने खनिज वाहनों की जांच के दौरान एक ट्रैक्टर ट्रॉली जिसकी में रोडी, डस्ट भरा हुआ था चेक करने के लिए ड्राइवर के पास कोई बिल/ई रवाना नहीं था जिसे एनआईटी थाने -5 में सीज कर दिया गया। जिला खनन अधिकारी श्रीमती बिधलान ने कहा कि फरीदाबाद जिला सहित पूरे प्रदेश में खनन विभाग की ओर से महानिदेशक के.एम.पांडुरंग के दिशा निर्देशों की अनुपालना करते हुए चैकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत जहां अवैध खनन न हो इसकी गंभीरता से जांच की जा रही है वहीं कोई भी खनिज वाहन बिना ई रवाना बिल के जिला की सड़कों से न निकले इसकी पूरी मॉनिटरिंग हो रही है।

नकल रहित परीक्षा करवाना प्रशासन की जिम्मेदारी : डीसी

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। यदि कोई व्यक्ति नकल करवाते हुए पाया जाता है तो उसको पुलिस के हवाले करें। यह हमारी नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि हम इन परीक्षा को सही ढंग से होने दें, ताकि बच्चों का अच्छा भविष्य हो। यह वाक्य डीसी विक्रम सिंह ने जिला में चल रही बोर्ड परीक्षाओं को शांतिपूर्ण एवं नकल रहित संपूर्ण करवाने को लेकर कहे। डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि बोर्ड परीक्षाओ की पवित्रता बनाए रखने और नकल रहित परीक्षाओं के संचालन के लिए प्रशासन गंभीरता से कार्य कर रहा है। परीक्षा केंद्रों की जांच के लिए विभिन्न फ्लाइंग स्क्वायड का गठन किया गया है। साथ हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की फ्लाइंग स्क्वायड भी निरंतर केंद्रों का निरीक्षण कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षा में नकल करवाने व पेपर आउट होने जैसी घटनाओं में संलिप्त पाए जाने वालों को किसी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। जिला प्रशासन नकल रोकने एवं पेपर लीक के मामलों को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति से काम कर रहा है। डीसी ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि पुलिस अपना काम मुस्तैदी से करे और गांवों में फ्लैग मार्च निकालने के साथ लोगों को जागरूक करें।

7 मार्च से 28 मार्च तक चलेगा विधानसभा का बजट सत्र : मुख्यमंत्री

महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण से होगा बजट सत्र प्रारम्भ

17 मार्च को प्रस्तुत किया जाएगा वर्ष 2025-26 का बजट

बजट तीन गुणा गति से प्रदेश का समान विकास करते हुए हरियाणा को ओर आगे ले जाने का काम करेगा - मुख्यमंत्री

निकाय चुनावों में एक-तरफा खिलेगा कमल का फूल

समाचार गेट/नरवीर यादव

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा विधानसभा का बजट सत्र कल 7 मार्च से आरम्भ होगा और 28 मार्च तक चलेगा। उन्होंने कहा कि वे वित्तमंत्री के रूप में 17 मार्च को वित्तवर्ष 2025-26 का बजट प्रस्तुत करेंगे।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी आज हरियाणा विधानसभा में आयोजित सर्वदलीय बैठक और कार्य सलाहकार समिति की बैठक के उपरांत मीडियाकर्मियों से बातचीत कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कल 7 मार्च को महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण से बजट सत्र प्रारम्भ होगा। अभिभाषण पर चर्चा होने के पश्चात 17 मार्च को बजट पेश किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कार्य सलाहकार समिति (बीएससी) की बैठक में बजट सत्र के दौरान प्रस्तुत होने वाले बिलों, सत्र अवधि सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर सकारात्मक चर्चा हुई।

बजट पूर्व परामर्श बैठकों के सम्बन्ध में पूछे गये एक प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने प्रदेश के विभिन्न जिलों में जाकर औद्योगिक संघ, चार्टरड अकाउंटेंट, टैक्सटाइल इन्डस्ट्री, प्रगतिशील किसान, एफपीओ, कृषि वैज्ञानिकों, युवाओं, नमो ड्रोन दीदी, महिला स्वयं समूह के साथ बैठक कर उनके सुझाव आमंत्रित किए। इसके अलावा, उन्होंने 3 और 4 मार्च को पंचकूला में दो दिवसीय परामर्श के दौरान प्रदेश के मंत्रियों, सांसदों और विधायकों के सुझाव भी लिए हैं। उन्होंने कहा कि प्राप्त बेहतरीन सुझावों को आगामी बजट में शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बजट पूर्व परामर्श का उद्देश्य समाज के

विभिन्न वर्गों के सुझावों को शामिल कर एक ऐसा बजट तैयार करना है जो प्रदेश के लगभग 2.80 करोड़ लोगों की आशाओं पर खरा उतरे। उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हरियाणा की नॉन-स्टॉप भाजपा सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट होगा, जो तीन गुणा गति से प्रदेश का समान विकास करते हुए हरियाणा को ओर आगे ले जाने का काम करेगा।

हरियाणा विधानसभा के नये भवन को लेकर पूछे गये एक प्रश्न के उत्तर में श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सर्वदलीय बैठक में इस विषय को लेकर सदस्यों के साथ चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अभी परिसीमन प्रस्तावित है, जिसके पश्चात सीटों की संख्या बढ़ने वाली है, ऐसे में वर्तमान भवन छोटा पड़ेगा और नये भवन की आवश्यकता होगी।

हरियाणा में निकाय चुनावों के सम्बन्ध में पूछे गये प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी कहा कि आने वाली 12 मार्च को एक-तरफा कमल का फूल खिलने जा रहा है।

एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी कहा कि महिलाओं को 2100-2100 रुपये देने के लिए बजट में प्रावधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि संकल्प पत्र में किए गये वायदों को आगामी 5 सालों में एक-एक करके पूरा किया जाएगा। वर्तमान सरकार ने इस दिशा में तेजी से कार्य करते हुए 18 महत्वपूर्ण संकल्पों को पूरा कर लिया है, जिसका प्रदेश के लोगों को भरपूर लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि इसी कड़ी में 10 और संकल्प शीघ्र ही पूरे होने जा रहे हैं।

पंजाब सरकार द्वारा किसानों की मांगे पूरी न करने पर पंजाब के संयुक्त किसान मोर्चा के चण्डीगढ़ कूच को लेकर पूछे गये प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा किसानों को उकसाने का काम किया गया। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वे स्वयं किसान के बेटे हैं और किसानों की पीड़ा और जरूरतों को भलिभांति समझते हैं। हरियाणा में जब भी किसानों को प्राकृतिक आपदा का सामना करना पड़ा, हरियाणा सरकार कंधे से कंधा मिलाकर उनके साथ खड़ी रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार ने पहले 14 फसलों को एमएसपी पर खरीदा और आज प्रदेश की शतप्रतिशत फसलों को एमएसपी पर खरीदा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने पंजाब सरकार को कई बार सुझाव दिया है कि किसानों के बीच जाएं, उनसे बातचीत करें और वहां की सभी फसलों को एमएसपी पर खरीदने के लिए अश्वस्त करें। उन्होंने कहा कि किसान धरती पुत्र है और जनता का पेट भरता है। पंजाब सरकार को किसानों की चिंता करनी चाहिए और उन्हें राहत प्रदान करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वे पंजाब के मुख्यमंत्री से अपील करते हैं कि किसानों पर लाठी न चलाएं, बल्कि उनसे बातचीत कर उन्हें मजबूत करने का काम करें।

किसानों को बीज और खाद की आपूर्ति के सम्बन्ध में पूछे गये एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी कहा कि अब प्रदेश में कोई भी व्यक्ति किसानों से धोखाधड़ी नहीं कर पाएगा। उन्होंने कहा कि हमने यह सुनिश्चित किया है कि किसानों को केवल प्रमाणित बीज ही उपलब्ध करवाया जाए।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुग्राम में क्रियान्वित विकास परियोजनाओं की ली समीक्षा बैठक

समाचार गेट/ब्यूरो

गुरुग्राम। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वीरवार को गुरुग्राम जिला की विभिन्न विकास परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए संबंधित अधिकारियों को राज्य सरकार की प्रमुख परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने और उन्हें समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि तीव्र गति से गुणवत्तापूर्ण कार्य करना है और विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए। बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, सोहना के विधायक श्री तेजपाल तंवर, मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी (वीडियो कॉन्फ्रेंस से) सहित प्रिंसिपल एडवाइजर श्री डी.एस ढेसी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों से गुरुग्राम में सीवरेज, ड्रेनेज, स्वच्छता, जलापूर्ति, सी एंड डी वेस्ट तथा सड़क व्यवस्था की विस्तृत रिपार्ट लेने उपरान्त कहा कि राज्य सरकार जिले में विकास के नये आयाम स्थापित करने के लिए आधारभूत संरचनाओं का विकास बेहद जरूरी है। इसके लिए कार्यों की समय सीमा सुनिश्चित कर सभी विभाग आपसी समन्वय से इन्हें पूरा

करें। उन्होंने कहा कि जनता के प्रति सरकार की जवाबदेही है, इसलिए सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें के वे शहर में क्रियानवित सभी विकास परियोजनाओं की प्रगति की निरंतर समीक्षा करें। जिन परियोजनाओं में संबंधित एजेंसी द्वारा देर की जा रही है, उन पर पेनल्टी लगाने के साथ-साथ एफआईआर भी दर्ज कराई जाए।

निगम क्षेत्र में सफाई व्यवस्था की बेहतरी के लिए एचकेआरएनएल के माध्यम से लगाए जाएंगे सफाई कर्मचारी

बैठक में मुख्यमंत्री ने निगम क्षेत्र में सफाई व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कहा कि गुरुग्राम प्रदेश की आर्थिक उन्नति का प्रमुख आधार है। ऐसे में शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। मैनपावर की समस्या के निदान के लिए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने हरियाणा कौशल रोजगार निगम लिमिटेड के माध्यम से संबंधित निकाय क्षेत्र आवश्यकता अनुसार सफाई कर्मचारी रख सकते हैं। बैठक में निगम क्षेत्र में डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन पर भी सार्थक चर्चा की गईं।

जीएमडीए समयबद्धता के साथ कराए सड़कों का जीर्णोद्धार

मुख्यमंत्री ने गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे शहर में आमजन को सुगम व सुरक्षित यातायात व्यवस्था उपलब्ध कराने के लक्ष्यों के साथ समयबद्ध रूप से सभी सड़कों का जीर्णोद्धार कार्य पूरा करवाएं। उन्होंने कहा कि अभी मानसून आने में काफी समय है। ऐसे में अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि जून माह के अंत तक यह कार्य पूरा कर लिया जाए।

बैठक में जानकारी दी गई कि गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण के पास 284.5 किलोमीटर सड़क मार्ग है, जिसमें अभी तक 135 किलोमीटर सड़कों का जीर्णोद्धार कार्य पूरा हो चुका है। ग्रेप की पाबंदियां हटने के उपरान्त 100 किलोमीटर सड़कों का जीर्णोद्धार का कार्य 15 फरवरी से शुरू हो गया है। जोकि निर्धारित समय में पूरा कर लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने इस दौरान सी एंड डी वेस्ट के उठान, ड्रेनेज सिस्टम के अपग्रेडेशन कार्य, मेट्रो विस्तार परियोजना में तेजी लाने और कार्यान्वयन में पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

नए विधान भवन को लेकर हरियाणा के सभी दल एकमत

विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में गहन चर्चा

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा विधान सभा के नए भवन के निर्माण को लेकर प्रदेश के सभी दल एकमत हैं। विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण की अध्यक्षता में वीरवार को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में इस मसले में गहन चर्चा हुई है। सभी दलों के नेता इस विषय पर एकमत दिखाई दिए कि निकट भविष्य में होने वाले परिसीमन में प्रदेश में विधान सभा क्षेत्रों की संख्या बढ़ने के मद्देनजर अपेक्षाकृत बड़े विधान भवन की जरूरत पड़ेगी। फिलहाल हरियाणा विधान सभा के सदन में 90 विधायकों के बैठने के लिए ही स्थान उपलब्ध है। ऐसे में विधायकों की संख्या बढ़ने पर यहां सदन की कार्यवाही संचालित करना संभव नहीं है। इसके अलावा वर्तमान में भी समितियों की बैठकों और विभिन्न कार्यालयों के लिए स्थान अभाव का सामना करना पड़ा रहा है।

गौरतलब है कि 7 मार्च से शुरू हो रहे बजट सत्र के दौरान कार्य उत्पादकता बढ़ाने और अनुशासनपूर्ण ढंग से विमर्श की संस्कृति को बढ़ाने के उद्देश्य से विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने वीरवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई। बैठक में सभी दलों और निर्दलीय विधायकों के प्रतिनिधि शामिल रहे। इस दौरान सत्र की कार्यवाही के

साथ-साथ नए विधान भवन को लेकर भी गंभीर चर्चा हुई।

सत्र की कार्यवाही के दौरान उत्पादकता बढ़ाने पर गहन विचार विमर्श हुआ। विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि सत्र के दौरान सदन की गरिमा व अनुशासन बना रहे तथा जनहित के विषयों पर सार्थक चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी दलों से आग्रह किया जाएगा कि वे तथ्यों पर आधारित तैयारी के साथ सत्र में भाग लें, जिससे प्रदेश के विकास को लेकर गंभीरता से सदन में विचार हो सके।

बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, परिवहन एवं ऊर्जा मंत्री अनिल विज, पंचायत एवं विकास मंत्री कृष्ण लाल पंवार, पर्यावरण एवं वन मंत्री राव नरबीर सिंह, संसदीय कार्य मंत्री महिपाल ढांडा, विधायक भूपेंद्र सिंह हुड्डा, सावित्री जिंदल, अर्जुन चौटाला, अशोक कुमार अरोड़ा, गीता भुक्कल, आफताब अहमद, कुलदीप वत्स मौजूद रहे।

खेल नर्सरियों के लिए ऑनलाइन आवेदन 15 मार्च तक

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। खेल विभाग, हरियाणा द्वारा गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी सत्र 2025-26 के लिए सरकारी/निजि शिक्षण संस्थानों पंचायत एंव निजि खेल संस्थाओं में खेल नर्सरियां चलाने बारे निर्णय लिया गया है।

इस बारे में जानकारी देते हुए जिला खेल अधिकारी, देवेन्द्र सिंह द्वारा बताया गया कि खेल नर्सरी के इच्छुक शिक्षण संस्थान/ खेल संस्थान खेल नर्सरी का आवेदन पत्र विभागीय वेवसाईट www.haryanasports.gov.in पर ऑनलाइन भरा जाएगा। खेल नर्सरी केवल ऑलम्पिक, एशियन व कॉमनवेल्थ खेलों में सम्मिलित खेलों के लिए खेल नर्सरी प्रदान की जाएंगी। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 15 मार्च है।

यूपी के माध्यमिक शिक्षा विभाग में सिटिजन चार्टर लागू

लखनऊ। यूपी के माध्यमिक शिक्षा विभाग में अब सिटिजन चार्टर यानी नागरिक घोषणा पत्र लागू कर दिया गया। सरकारी माध्यमिक स्कूलों के शिक्षकों, छात्रों और कर्मचारियों को काम तय समय पर निस्तारित करने होंगे। ऐसा न करने पर जिम्मेदार अधिकारियों या कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। छात्रों को अंक पत्र और प्रमाणपत्र के लिए माध्यमिक शिक्षा परिषद और माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद के कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने होंगे। वहीं, शिक्षकों और कर्मचारियों के भी सेवा संबंधी काम तय समय पर निस्तारित करने होंगे। स्कूलों और कार्यालयों में इसका प्रचार-प्रसार बोर्ड लगाकर किया जाएगा।

सिटिजन चार्टर से स्टूडेंट, टीचर और स्टॉफ को मिलेगा फायदा माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने इसका विमोचन करते हुए कहा कि इस पहल से काम में पारदर्शिता आएगी। सिटिजन चार्टर लागू होने के साथ ही अब राजकीय माध्यमिक स्कूलों और अशासकीय सहायताप्राप्त माध्यमिक स्कूलों के शिक्षकों को ऌफ पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन अवकाश की सुविधा दी जाएगी। स्टूडेंट्स को नहीं लगाने पड़ेंगे चक्कर स्टूडेंट्स को बोर्ड कार्यालय से आवेदन करने के 15 दिनों में प्रमाण पत्र उपलब्ध कराए जाएंगे। प्रमाण पत्र की सेकेंड कॉपी, मार्क शीट, मार्क शीट की सेकेंड कॉपी और संशोधित प्रमाण पत्र 30 दिनों में जारी करना होगा। वहीं, स्टूडेंट्स के निरस्त परीक्षाफल, रोके गए रिजल्ट या अपूर्ण व त्रुटिपूर्ण परीक्षाफल का संशोधन व निस्तारण 45 दिनों में करना होगा। विभिन्न सेवाओं के लिए अलग-अलग 15 से 30 दिनों में स्टूडेंट पहले अपीलीय अधिकारी सचिव, माध्यमिक शिक्षा परिषद व दूसरे अपीलीय अधिकारी माध्यमिक शिक्षा निदेशक कार्यालय में अपील कर सकेंगे।स्कूल स्टॉफ पर भी होगा लागू राजकीय माध्यमिक स्कूलों के शिक्षकों और कर्मचारियों के पेंशन स्वीकृति पर निर्णय 60 दिनों में, जीपीएफ स्वीकृति पर निर्णय 30 दिनों में, जीपीएफ अग्रिम भुगतान 15 दिनों में, नव नियुक्त शिक्षकों के शैक्षिक अभिलेखों का सत्यापन 60 दिनों में, चिकित्सा प्रतिपूर्ति पर निर्णय 60 दिनों में, वेतन भुगतान पर निर्णय 15 दिनों में, सुनिश्चित करियर प्रोन्नयन पर निर्णय 90 दिनों में और मृतक आश्रितों को नौकरी देने के मामले में 90 दिनों में निर्णय लेना होगा। ऐसे ही एडेड माध्यमिक स्कूलों के शिक्षकों और कर्मचारियों के भी काम तय समय पर होंगे।

हमीरपुर में ई लाटरी के जरिये हुई शराब और भांग की दुकानों की नीलामी

न्यूज स्पीक्स
हमीरपुर। (सैय्यद जावेद अख्तर) उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में देशी शराब की 229 में से 188 दुकानों, कम्पोजिट शॉप की सभी 79 सहित भांग की सभी आठ दुकानों का 2025-26 के लिये ई-लॉटरी के जरिये हमीरपुर की तत्कालीन जिलाधिकारी बी.चन्द्रकला, वर्तमान सचिव महिला कल्याण सहित पंचायती राज उ०प्र० शासन की अध्यक्षता सहित जिलाधिकारी हमीरपुर घनश्याम मीना, पुलिस कप्तान हमीरपुर डॉ० दीक्षा शर्मा, अमृता श्रीवास्तव, सहायक आबकारी आयुक्त प्रवर्तन बांदा, अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०) विजय शंकर तिवारी, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) डॉ० नागेन्द्रनाथ यादव की मौजूदगी में जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम में सम्पन्न हुआ। देशी शराब की 188 दुकानों पर 639 आवेदन, कम्पोजिट शॉप की 79 दुकानों पर 567 आवेदन सहित भांग की आठ दुकानों पर 12 आवेदन किये गये, जिसमें कुल 275 दुकानों पर 1218 आवेदन किये गये। इन आवेदन पत्रों में से आवेदकों का चयन ऑन लाईन ई-लॉटरी के जरिये तकनीकि, वैज्ञानिक रीति से एन. आई.सी. के सहयोग से सम्पन्न हुआ। ई-लॉटरी के वख्त भारी तादाद में आवेदक मौजूद रहे। ई-लॉटरी की कार्यवाही आवेदको की ज्यादा तादाद के मद्देनजर स्पोर्टस स्टेडियम हमीरपुर के मैदान में सम्पन्न कराई गयी। ई-लॉटरी में सभी आवेदकों की जांच करने के बाद लीगल डाक्यूमेंट दिखाने पर ही दिया गया। वही सुरक्षा के मद्देनजर ई- लाटरी मैदान सहित मैदान के बाहर बड़ी तादाद में पुलिस बल मौजूद रहा। ई-लॉटरी सम्पन्न होनें के बाद उप आबकारी आयुक्त,प्रभारी जिला आबकारी अधिकारी अवधेश राम ने सभी अधिकारियों सहित आवेदकों का आभार व्यक्त किया। जबकि जिला आबकारी अधिकारी हमीरपुर अवधेश राम ने बताया कि ई-लॉटरी के रिजल्ट को हमीरपुर की बेबसाईट www.hamirpur.fic.if पर अपलोड करने के साथ ही नोटिस बोर्ड सहित मीडिया ग्रुप में शेयर कर दिया गया है।

अनिरुद्धवा में आयोजित बसन्त कालीन गन्ना गोष्ठी में दी गई जानकारी

संवाददाता
कसया, कुशीनगर। गन्ना विकास समिति कसया परिक्षेत्र के ग्राम अनिरुद्धवा में आयोजित बसन्त कालीन गन्ना गोष्ठी में किसानों को वैज्ञानिक तरीके से खेती के गुर बताए गए।

आयोजित गोष्ठी में उत्तरप्रदेश गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केन्द्र पिपराइच गोरखपुर के पूर्व सहायक निदेशक ओम प्रकाश गुप्ता ने गन्ने की सर्वाधिक उपज देने वाली प्रजाति को. 0118, तथा को. 15023 की जानकारी देते हुए दो आंख की गेड़ी काटने, हेक्सटॉप के घोल में उपचारित करने, ट्राईकोडर्मा का प्रयोग, गन्ने की बुवाई 120 सेंटीमीटर पर करने की जानकारी दी। कहा कि आने वाले समय में गन्ने की कटाई, छिलाई मशीन से होगी। गन्ने के साथ सहफसली खेती से गन्ने का उपज बढ़ेगा। हानिकारक कीट पीहिका अंकुर बेधक नियंत्रण होगा। भिंडी, मूंग, उर्द, लोबिया भी बोए। ढाढा चीनी मिल के अधिशाषी अध्यक्ष करण सिंह के हवाले से बताया कि मिल परिक्षेत्र में सभी किसानों की गन्ने की बुवाई केन प्लांटर से कराया जा रहा है। निराई गुड़ाई, पेड़ी प्रबन्धन मशीन पावर टीलर से कराया जा रहा है। सिंगल बड से तैयार गन्ने के पौधा की रोपाई मशीन से कराया जा रहा है। वरिष्ठ गन्ना अधिकारी दीपक तिवारी ने बताया की बीज गन्ना कृषकों के खेतों पर आरक्षण कराया गया है, छोटे ट्रैक्टर पर 25 हजार रुपए अनुदान दिया जा रहा है। सेवरही गन्ना शोध से कसया क्षेत्र के लिए 10 हजार एक आंख का टुकड़ा आवंटन हुआ है। कसया गन्ना समिति के संचालक सदस्य और पश्चिमी उत्तर प्रदेश से नौ दिवसीय यात्रा से वापस लौटे रामबेलाश गुप्ता ने बताया कि पूर्वांचल में जागरूकता का अभाव है, पशुपालन का कमी है। अजय श्रीवास्तव द्वारा को. 0118, एवम को. 15023 के बारे मे बताया। गन्ना बैज्ञानिक डॉ बच्चा राव ने पेड़ी प्रबन्धन की जानकारी दी। संचालन वरिष्ठ गन्ना अधिकारी दीपक तिवारी ने किया। इस दौरान किसान कपिलदेव यादव, बलिराम, अनिरुद्ध, कैलाश, शिवपूजन, रामनरेश आदि मौजूद रहे।

नमाज (तरावीह) के साथ रमजान का आगाज मस्जिदें नमाजियों से हुई गुलजार

संवाददाता
कुशीनगर। माहे रमजान का चांद नजर आते ही रमजान की तैयारियों को लेकर जहां बाजारों में रौनक बढ़ने लगी वहीं मस्जिदों में भी नमाजियों की तादाद में इजाफा हो गया। मुस्लिम समाज के लोगों ने रमजान की तैयारियों को लेकर बाजारों में सेवइयां डबल रोटी तथा अन्य खाने-पीने की जरुरी चीजों की जमकर खरीदारी की। रात्रि में रमजान शरीफ में पढ़ी जाने वाली विशेष नमाज (तरावीह) मस्जिदों में बड़ी संख्या में नमाजियों ने नमाज अदा की। पकहां लुकपुर में नूरी मस्जिद प्रथम दिन नमाजियों से खचाखच भरी हुई थी। मस्जिद के इमाम एम एस कादरी निजामी ने

तरावीह की नमाज के बाद अपने संबोधन में रमजान की अहमियत बयान करते हुए कहा कि रमजान (रोजे) का मकसद केवल भूखे वह प्यासा रहना नहीं है, बल्कि उसका असली अर्थ यह है कि हम अपने पड़ोसियों की गरीबों की भूख और प्यास का भी ख्याल रखेंअगर आपके पड़ोस में कोई गरीब या कोई व्यक्ति भूखा है और उसके घर में भोजन नहीं है, उसका एहसास करें। उसको खाना पहुंचाएं। रमजान के पहले अशरा में यानी रमजान के पहले दस दिन रहमत और बरकत का आसरा होता है, इसमें पूरी मानवता के लिए पूरी इंसानियत के लिए और अपने देश के लिए दुआ करें मानवता और सुख शांति की दुआ कराई गई। इस अवसर पर हाफिज इश्तियाक, इलियास, अबरार अहमद, रियाजउद्दीन, सैफुल्लाह अंसारी, अब्दुल कलाम, आजाद, सिराजुद्दीन अंसारी, गयासुद्दीन अंसारी तराबी तमाम लोग मौजूद रहे।

प्रावि नरकटिया खुर्द में हुआ पौधरोपण, शिक्षण सामग्री वितरित

संवाददाता
कुशीनगर। नगर पालिका परिषद कुशीनगर स्थित प्राथमिक विद्यालय नरकटिया खुर्द में गुरुवार को कसया के व्यवसायी मनीष मोदनवाल की बिटिया खुशी मोदनवाल के जन्मदिन पर पौधरोपण एवं शिक्षण सामग्री वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्री मोदनवाल ने कहा कि बिटिया के जन्मोत्सव पर पूरा परिवार हर्ष में है और इस अवसर पर पौधरोपण करके और बच्चों को शिक्षण सामग्री भेंट कर सुकून मिल रहा। हम सबको अपने खुशियों में समाज को शामिल करना चाहिए। इससे एक सशक्त समाज का निर्माण होगा। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक कृष्ण मोहन, माया चौरसिया, कुसुम देवी, मरियम खातून, नंदरानी श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

प्रमुख सचिव अनिल कुमार सागर ने किया खादी ग्रामोद्योग सेवा संस्थान सपहां का निरीक्षण

संवाददाता
कुशीनगर। उत्तर प्रदेश शासन के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी ग्रामोद्योग एवं हथकरघा विभाग के प्रमुख सचिव अनिल कुमार सागर ने गुरुवार को खादी ग्रामोद्योग सेवा संस्थान सपहां, फाजिलनगर का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रमुख सचिव ने संस्था को खादी के क्षेत्र में कार्य करने में आ रही दिक्कतों के बारे में जानकारी ली। साथ ही संस्था के भविष्य में रोजगार सृजन के क्षेत्र में किए जा

सकने वाले संभावित कार्यों पर भी गंभीरता और गहनता से चर्चा की। प्रमुख सचिव ने कामगारों से संवाद कर उनके कार्यों और कठिनाइयों के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने संस्था के कच्चे माल की खरीद से लेकर उत्पादन और विपणन तक के सभी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। संस्था द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में किए गए रोजगार सृजन के कार्यों की सराहना करते हुए उपस्थित सभी लोगों का मनोबल भी बढ़ाया। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी तमकुही राज, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, जिला एवं तहसील प्रशासन कसया के अधिकारी, जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ए.के. पाल, बिहार से अवकाश प्राप्त न्यायाधीश सत्येन्द्र पांडेय,खादी ग्रामोद्योग सेवा संस्थान सपहां के मंत्री पंकज कुमार पाण्डेय, दीनानाथ गुप्ता, रामनाथ गुप्ता, राम गुलाम प्रसाद, सोमारी प्रसाद, अखिलेश प्रसाद, रामनयन पांडेय, विजय पांडेय, नरेन्द्र पांडेय, जयप्रकाश पांडेय सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बस संचालन के लिए सांसद विजय दूबे को पत्र सौंपा

संवाददाता
कसया, कुशीनगर। रोडवेज बस न चलने से स्थानीय लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। पडरौना, बाड़ीपुल, अहिरौली राजा, गोबरही, भठही, नैका छपरा ,हेतिमपुर से गोरखपुर मार्ग सीधे जिला मुख्यालय से जुड़ा है। यहां आवागमन को रोडवेज बस की लंबे समय से मांग हो रही है लेकिन जिला प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। इससे ग्रामीणों को निजी या प्राइवेट वाहनों से जिला मुख्यालय समेत अन्य स्थानों पर आवागमन करना पड़ता है। इसको लेकर डुमरी चुरामनछपरा के ग्राम

प्रधान डिम्पल पांडेय के नेतृत्व में कुशीनगर सांसद विजय कुमार दूबे को बस संचालन के लिए एक मांग पत्र सौंपा गया। जिसको गम्भीरता से लेते हुए सांसद ने कारवाई का आश्वासन दिया। दरअसल गोरखपुर से जिला मुख्यालय को जोड़ने वाले उक्त मार्ग पर अभी तक रोडवेज बसों का संचालन नहीं किया गया। लोगों को लंबी दूरी तय कर निजी वाहनों का सहारा लेना पड़ता है। ग्रामीण रूटों पर रोडवेज की बस नहीं चलने से तीन पहिया चालक मनमाफिक किराया वसूलते हैं। गांवों के स्टैंड से तीन पहिया भरने के बाद ही चलते हैं, जगह-जगह रुकने के साथ ही सवारी से जो किराया मांग लिया वह उसे देना पड़ता है। तीन पहिया चालक सवारियों को बाहर लटका कर चलते हैं। इससे कई बार दुर्घटना भी हो जाती है। ग्रामीणों ने बताया कि निजी वाहनों को पकड़ने के लिए भी उन्हें चार से पांच किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है। जिला मुख्यालय को जोड़ने वाले उक्त मार्ग पर रोडवेज बसों का संचालन न होने से काफी परेशानी झेलनी पड़ती है।

छात्र भी किसी तरह अपने विद्यालयों में पहुंचते हैं। ग्रामीणों को अगर गोरखपुर इलाज या बच्चों को शिक्षण संस्थान जाने के लिए अगर बस संचालन हो जाता तो बहुत सुगमता हो जाता।

ग्राम प्रधान अजय जायसवाल, अजित कुशवाहा, सतेन्द्र सिंह, राम आश्रय, समीउल्लाह खान, पूर्व ग्राम प्रधान जेपी यादव, मोहसिन उर्फ बुलेट, रामकृष्ण, अजीत सिंह, रामेश्वर मौजूद रहे

संक्षिप्त डायरी

पर्यावरण परिवर्तन की गति बढ़ने से लाखों जीव लुप्त होने के कगार पर:प्रो . प्रमोद टंडन

संवाददाता
कुशीनगर।
बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुशीनगर में देश के महत्वपूर्ण वैज्ञानिकों की एक विज्ञान कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए पद्म श्री पुरस्कार प्राप्त राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी में वरिष्ठ वैज्ञानिक और पूर्वोत्तर हिल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो . प्रमोद टंडन ने कहा पर्यावरण परिवर्तन नई चीज नहीं है यह हजारों वर्षों से हो रही है। समस्या यह है कि इसकी गति बहुत बढ़ गई है। इस कारण लाखों प्रकार के पौधे और प्राणी लुप्त होने के कगार पर हैं। इसका प्रभाव अमेरिका और चीन से ज्यादा भारत पर पड़ेगा। अगर इसे रोका नहीं गया तो 15 से 37 प्रतिशत पौधे और वनस्पति 2050 तक नष्ट हो जाएंगे। 6.1 प्रतिशत लोग प्रति 10 साल पहाड़ों की ओर बस रहे हैं। समुद्र में जल का स्तर बहुत तेज बढ़ने वाला है। जीव जंतुओं के प्रजनन पर असर पड़ रहा है। साइबेरियन पक्षी इस वर्ष कम आए हैं। पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित और राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की वरिष्ठ वैज्ञानिक और पूर्वोत्तर हिल विश्वविद्यालय में जीवन विज्ञान संकाय की पूर्व डीन प्रो वीना टंडन ने खाद्य पदार्थों से होने वाले पैरासाइट (परजीवी) संक्रमण विषय पर बोलते हुए कहा कि पूरे विश्व की एक तिहाई आबादी परजीवी कृमि संक्रमण से प्रभावित है। ये सभी कृमि ट्रॉपिकल देशों जहां गर्मी ज्यादा पड़ती है वहां के रोजमर्रा के जीवन में ज्यादा सक्रिय हैं। जानवरों में होने वाले कुछ संक्रमण मनुष्यों में भी फैल सकते हैं। सबसे ज्यादा राउंड बर्म का संक्रमण होता है। यह गंदे पानी से गंदे हाथों से होता है। पिन वर्म बच्चों में ज्यादा होते हैं। हुक वर्म नम मिट्टी से त्वचा के रस्ते शरीर में पहुंचते हैं। ज्यादातर बच्चों और महिलाओं में एनीमिया के कारण होते हैं। टेपवर्म इन्फेक्शन सूअर या गाय के मांस को खाने से होता है। इसकी लंबाई 25 मीटर तक हो सकती है। बायोकेमिस्ट्री के वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो रमेश शर्मा ने हार्मोंस और उनकी उपयोगिता के बारे में बताते हुए कहा कि हार्मोंस केमिकल मैसेंजर होते हैं। ये हार्ट और किडनी में भी पाया जाता है। हार्मोंस हमारे प्रत्येक गतिविधि को संचालित भी करते हैं। ये हार्मोंस शरीर ही नहीं वातावरण से भी संचालित होते हैं। शरीर लड़े या भागे इसका संचालन भी हार्मोंस से होता है। वातावरण के परिवर्तित होने पर शरीर को उससे अनुकूलित होने के लिए भी हार्मोन उत्तरदाई होते हैं। इंदरफिन हार्मोन पुरुष में ज्यादा होते हैं और महिलाओं में कम होता है इसीलिए पुरुषों में स्त्रियों की अपेक्षा कम घबराहट होती है। सीनियर एंटोमोलाजिस्ट डॉ मानवेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि किसी एजेंट के माध्यम से फैलने वाले रोग वेक्टर वॉर्न डिजीज होते हैं। मलेरिया, जीका वायरस, डेंगी, फाइलेरिया, प्लेग आदि इससे फैलते हैं। मच्छरों को समाप्त नहीं किया जा सकता उसकी संख्या कम की जा सकती है। डेंगी के अंडे बिना पानी के डेढ़ साल तक जीवित रहते हैं। इसलिए पानी इकट्ठा होने वाली सभी जगहों की व्यवस्थित सफाई जरूरी है। कूलर में 80 प्रतिशत डेंगी का मच्छर अंडा देता है। अध्यक्षता महाविद्यालय के प्रबंध सचिव सरदार वीरेंद्र सिंह आहलूवालिया ने की। स्वागत भाषण प्राचार्य प्रो विनोद मोहन मिश्र ने किया। संचालन प्रो गौरव तिवारी ने किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ अनुज कुमार और सह संयोजक डॉ राकेश राय रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रो रवि प्रताप पाण्डेय, प्रो इंद्रजीत मिश्र ,प्रो सत्येंद्र गौतम, डॉ चंद्रशेखर सिंह, डॉ रमेश चंद्र विश्वकर्मा, डॉ सौरभ द्विवेदी, डॉ सुबोध गौतम, डॉ हिमांशु मिश्र, डॉ श्वेता यादव, डॉ पारसनाथ, डॉ अंशु यादव, डॉ लक्ष्मी, डॉ पूजा, डॉ चंद्र प्रकाश सिंह, डॉ विनोद सिंह, डॉ चंद्रशेखर पाठक सहित भारी मात्रा में विद्यार्थियों की सहभागिता रही।

हमीरपुर में सत्ताईसवीं अन्तर्जनपदीय प्रयागराज जोन की तीन दिवसीय प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

संवाददाता
हमीरपुर (सैय्यद बासित अख्तर) उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में अपर पुलिस महानिदेशक प्रयागराज, जोन प्रयागराज के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक हमीरपुर ने तीन दिवसीय, 27वीं अन्तर्जनपदीय प्रयागराज की पुलिस एथलेटिक्स क्लस्टर प्रतियोगिता वर्ष 2025 के आयोजन का शुभारम्भ किया गया ।प्रतियोगिता 6.03.2025 से 8.03.2025 तक 27वीं प्रतियोगिता में आठ जनपदों में 6 जनपदों की टीमों ने जोरदार शिरकत की, पुलिस कप्तान दिक्षा शर्मा ने प्रतियोगिता में भाग ले रही सभी टीमें और उनके सम्मानित प्रशिक्षकों से बात कर खेल भावना की उच्च मयार्दाओं के प्रति प्रतिबद्धता के लिये निर्देश दिए। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वालें पुलिस खिलाडियों को सम्मानित किया जायेगा ।

चार वर्षो से मृतक को देते रहे पेंशन, विवाद में हुआ खुलासा

संवाददाता
देवरिया। सदर तहसील के गौरी बाजार के रहने वाले बद्रीनारायण राय जिनकी मृत्यु 18 नवम्बर 2020 को हो गया, उसके बाद भी इनके छोटे बेटे श्रीप्रकाश राय द्वारा लगातार हर महीने पेंशन लिया जा रहा था,मरने के बाद भी लिया गया पेंशन का लाभ, हर वर्ष किया गया मृत शिक्षक का वेरिफिकेशन, सिस्टम में दिखाया गया जीवित। चार वर्षों से मृतक शिक्षक ले रहा था पेंशन। दो भाइयों के विवाद में हुआ खुलासा। ट्रेजरी विभाग के बाबू की मिलीभगत से उठता रहा पेंशन। हर वर्ष हुआ मृत शिक्षक का वेरिफिकेशन। मृत शिक्षक को जिंदा दिखाकर दी गई पेंशन। ट्रेजरी विभाग के बाबू को पटल से हटाया गया।अब इस पुरे मामले में धन की रिकवरी की जाएगी।

लोक अदालत में कुल 16 वादों का हुआ निस्तारण

संवाददाता
देवरिया। गुरुवार को जनपद यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, देवरिया श्री देवेंद्र सिंह की मार्गदर्शन में लघु आपराधिक वादों के अन्तर्गत लम्बित मामलों के निस्तारण हेतु विशेष लोक अदालत का आयोजन दीवानी न्यायालय परिसर, तथा ग्राम न्यायालय में किया गया। उक्त लोक अदालत में विभिन्न फौजदारी न्यायालयों के पीठासीन न्यायिक अधिकारीगण द्वारा कुल 16 वादों का निस्तारण किया गया।उक्त जानकारी श्री मनोज कुमार तिवारी, अपर जनपद न्यायाधीश/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवरिया द्वारा दी गयी।

संपादकीय

मोटापा सिर्फ सेहत का मसला नहीं है बल्कि अर्थव्यवस्था के लिए भी खतरा है

नरवीर यादव
कार्यकारी संपादक

भारत विडम्बनाओं से भरा देश है। इन्हीं में से एक है मोटापा और भुखमरी। इनमें एक जुड़ाव भी है। एक तरफ अनावश्यक और अत्यधिक खाने से बढने. वाला मोटापे से होने वाली बीमारियां राष्ट्रव्यापी समस्या बनती जा रही है, वहीं दूसरी तरफ आबादी का एक बड़े हिस्सा दो वक्त का भरपेट भोजन नसीब नहीं होने से कुपोषित होकर रोगग्रस्त हो रहा है। यदि मोटापा खत्म या नियंत्रित हो जाए तो इससे भुखमरी व कुपोषण के लिए धन की कमी पूरी हो सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 119वी श्रृंखला में देश में बढ़ती मोटापे की समस्या पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षों में मोटापे के मामले दोगुने हो गए हैं और भारत में मोटापे की व्यापकता पर ध्यान देने की तत्काल आवश्यकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हम सब मिलकर छोटे-छोटे प्रयासों से इस चुनौती से निपट सकते हैं। जैसे एक तरीका है कि खाने के तेल में 10 पर्सेंट की कमी करना। भोजन में खाद्य तेल की खपत को कम करने के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए प्रधानमंत्री ने देश के दस प्रसिद्ध लोगों को नॉमिनेट किया। मोटापा सिर्फ सेहत का मसला नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था के लिए भी खतरा है। एक नई स्टडी के अनुसार, भारत में मोटापे का आर्थिक बोझ 2030 तक बढ़कर 6.7 लाख करोड़ रुपये प्रति वर्ष हो जाएगा। यह लगभग 4,700 रुपये प्रति व्यक्ति होगा, जोकि जीडीपी का 1.57 फीसदी है। ग्लोबल ओबेसिटी ऑब्जर्वेटरी के अनुसार, 2019 में मोटापे का आर्थिक प्रभाव 2.4 लाख करोड़ रुपये था। यह लगभग 1,800 रुपये प्रति व्यक्ति और जीडीपी का 1.02 फीसदी था। 2060 तक यह आंकड़ा बढ़कर 69.6 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है, जो प्रति व्यक्ति 44,200 रुपये और जीडीपी का 2.5 फीसदी होगा। यह स्टडी बताती है कि मोटापा सिर्फ एक स्वास्थ्य समस्या नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था के लिए भी बड़ा खतरा है।

भारत में कुपोषण की जो स्थिति है वो किसी से छिपी नहीं है। यहां बहुतों को तो पेट भर खाना भी नहीं मिलता और जिनको मिल भी रहा है उनके भोजन में पोषण की भारी कमी है। इसका खामियाजा नन्हें बच्चों को उठाना पड़ रहा है।

मोटापे की समस्या से निपटना बहुत मुश्किल काम नहीं है। जीवनशैली और खानपान में बदलाव के साथ नियमित व्यायाम इत्यादि से इस समस्या को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। यह समस्या व्यक्तिगत है, इसलिए देश के हर व्यक्ति की निजी जिम्मेदारी है कि वह अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखे। ऐसा करने से व्यक्ति और उसके परिवार के साथ देश का भी नुकसान नहीं होगा। असल चुनौती तो कुपोषण और भुखमरी की भयावहता से निपटने की है। यह समस्या मोटापे की तरह व्यक्तिगत नहीं है। इसके लिए मौजूदा और पिछली केंद्र की सरकारों के साथ राज्यों की सरकारें भी जिम्मेदार हैं। इस समस्या से निपटने के लिए धन और भ्रष्टाचार रहित पारदर्शी नीति की आवश्यकता है। विशेषकर मोटापे से होने वाले आर्थिक नुकसान को रोक कर कुपोषण और भुखमरी जैसी अमानवीय समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। राजनीतिक दल जब तक अपने निहित क्षुद्र स्वार्थों को छोड़ कर ऐसे राष्ट्रीय मुद्दों पर एकराय नहीं होंगे तब तक इस तरह की समस्याएं देश की विडम्बनाओं को उजागर करने के साथ ही देश की तरक्की के कथित पैमानों को मुंह चिढ़ाती रहेंगी।

– पीएम मोदी के मन की बात 119वीं श्रृंखला पर आधारित।

खाटू श्याम का 21वीं निशान पद यात्रा जत्था रवाना

पद यात्रियों के लिए गांव-गांव लगाए गए हैं सेवा शिविर

10-11 को आयोजित होगा मुख्य मेला

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। राजस्थान के सीकर जिले की खाटू के में आयोजित होने वाले लखी मेले में क्षेत्र से श्रधालुओं के जत्थे रवाना हो गये हैं। आगामी 10 व 11 मार्च को मुख्य मेला आयोजित होगा जिसके लिए श्रधालु निशान यात्रा में शामिल हो रहे हैं। पद यात्रियों के लिए सेवा शिवर भी लगाए गए हैं। 21वीं पदयात्रा जत्थे में शामिल महेश चैधरी, विष्णुदत्त, सुरेंद्र शर्मा, राजु गप्ता, रवि कुमार, नितीन, राकेश, शीतल, सुजीत, माछर छिकारा, मनीष, अमित गोयल ने बताया कि शिवरों में निशान यात्रा करने वाले पदयात्रियों के लिए भोजन,नाश्ता, स्नान करने, रात्री विश्राम तथा चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। कनीना में श्रीश्याम मंदिर, अटेली रोड रेलवे फाटक, नहर के समीप, मोहनपुर, नांगल, कोका, सुदंरह, बेवल, मुंडिया खेडा, झिगावन, दोंगडा अहीर, अटाली, सिहमा, खासपुर, खामपुर सहित विभिन्न गावों में सेवा शिविरों का आयोजन होता है। उन्होंने बताया कि मेला 28 फरवरी से शुरू हो चुका है जो 11 मार्च तक चलेगा।

मेले में 22 पुलिस सेक्टर व 9 प्रशासनिक सैक्टर बनाए गए हैं। 20 पुलिस सहयता केंद्र बनाए गए हैं। 10 हजार सुरक्षा कर्मी तैनात किए गए हैं। रींगस से खाटू तक सडक मार्ग वाहनों के लिए बंद कर दिया गया है। जयपुर सीकर हाईवे की ओर से आने वाले वाहनों के लिए मण्डा होते हुए बडी पार्किंग बनाई गई है तथा शाहपुरा कट से निकास किया गया है। 300 स्थाई तथा 382 अस्थाई टॉयलेट स्थापित किए गए हैं। बिजली की व्यवस्था के लिए 30 साउंड प्रूफ जनरेटर लगाए हैं वहीं पेयजल के लिए एक करोड पानी के पाउच, 20 कैंटर व 25 टंकिया रखी गई हैं। मले में हरियाणा के महेंद्रगढ, भिवानी, रोहतक, सिरसा, हिसार,चरखी दादरी, गुरूग्राम, फरीदाबाद, झज्जर के अलावा दूर-दरा से श्रधालु रेल, बस सहित अपने वाहन एवं ध्वज लेकर पद यात्रा करते हैं। करीब पखवाडेभर तक विभिन्न मार्ग श्याम के रंग में रगें हुए दिखाई देते हैं। महिला,पुरूष सहित युवा भी पद यात्रा कर मेले में पंहुचते हैं। मंदिर के प्रति नागरिकों की अपार आस्था है।

73 वर्ष पर्व गठित हुई कनीना नपा में 11वें प्रधान के रूप में 12 को निर्वाचित होगी महिला

इनेलो सरकार ने नपा को भंग कर गठित कर दी थी पंचायत

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना में नगरपालिका का संचालन करीब 73 वर्ष पूर्व 1952 में हुआ था। उसके बाद अब तक 10 बार निर्वाचित बॉडी ने काम किया है वहीं 9 बार नपा की बागडोर प्रशासक के हाथ में रही है। 1999 में इनेलो सरकार के सुप्रिमो व मुख्यमंत्री औमप्रकाश चैटाला ने नपा को भंग कर पंचायत का दर्जा दे दिया था। जिस पर नगरवासियों से एकजुटता का परिचय दिया था। अब 12 मार्च को होने वाली मतगणना के बाद 11वीं महिला प्रधान निर्वाचित होगी। जो कनीना कह बागडोर संभालकर विकास के क्षेत्र में आगे बढाने का काम करेगी। नपा के पहले प्रधान चै बलबीर सिंह बने। उसके बाद चैधरी चौधरी जानकी प्रसाद, संतोष कुमार, चैधरी बलबीर सिंह, राजेंद्र सिंह लोढा, उसके बाद बीडीपीओ सोहन लाल को प्रशासक लगाया गया। फिर मा दलीप सिंह प्रधान चुने गए। उनके बाद आईएएस वी राजा शेखर व बीडीपीओ मुनीलाल को प्रशासक नियुक्त किया। उसके बाद आरएस लोढा को प्रधान चुना गया। उनका कार्यकाल पूरा होने के बाद तहसीलदार एमएस मोरवाल को प्रशासक नियुक्त किया गया। उसके बाद संतोष देवी तथा शारदा देवी प्रधान चुनी गई। बाद में एसडीएम संदीप सिंह तथा अभिषेक मीणा आईएएस को प्रशासक लगाया गया। उसके बाद सतीश जेलदार प्रधान पद की कुर्सी पर आसीन रहे। बाद में एसडीएम सुरेंद्र सिंह, अमित कुमार नपा प्रशासक रहे। फिलहाल एसडीएम डा जितेंद्र सिंह अहलावत नपा के प्रशासक के रूप में कार्यरत हैं।

बीती 2 मार्च को नपा के चुनाव होने के बाद नगरवासियों की नजरें 12 मार्च को होने वाली मतगणना पर टिकी हुई हैं। 14 वार्डों में 10413 मतदाताओं में 9835 में अपना मत का प्रयोग किया। 12 मार्च को सुबह 8 बजे मतगणना शुरू होगी। मतगणना के लिए गणना एजेंट नियुक्त किए जाने की प्रक्रिया जारी है। प्रधान व पार्षद पद के प्रत्याशी आगामी 9 मार्च रविवार सांय पांच बजे तक गणना एजेंट के लिए नगरपालिका कार्यालय कनीना में आवेदन दाखिल कर सकते हैं। चुनाव अधिकारी एसडीएम डॉ जितेंद्र सिंह अहलावत ने बताया कि नपा के 14 वार्डों के लिए राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कनीना में बनाए गए स्टांग रूम में 14 वार्डों के लिए तीन राउंड की मतगणना होगी। स्टांग रूम में ईवीएम रखी गई हैं। जिनकी सुरक्षा के लिए पुलिस कर्मचारी मुस्तैद हैं। मतगणना हॉल में प्रधान पद के लिए पांच टेबल, पार्षद पद के लिए पांच टेबल तथा एक टेबल आरओ के लिए लगाई जाएगी। मतगणना के लिए सुरक्षा व्यवस्था सहित पुख्ता प्रबंध किए जा रहे हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के दौरान वॉलंटियर्स ने ली नकल न करने की शपथ : जिला एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक

परीक्षा में नकल न करने की शपथ लेते हुए एनएसएस के स्वयंसेवक : अशरफ मेवाती

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कैराका में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा आयोजित एकदिवसीय शिविर के दौरान स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए प्रधानाचार्य जयप्रकाश शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना शिवरों का उद्देश्य विद्यार्थियों का नैतिक, मानसिक, बौद्धिक, शारीरिक एवं सामाजिक विकास करना है। शिविर के दौरान जिला राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम समन्वयक अशरफ मेवाती ने बताया कि प्रत्येक वर्ष हर विद्यालय की एनएसएस इकाई द्वारा तीन एक दिवसीय तथा एक सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का आयोजन किया जाता है। इन शिविरों के अलावा राष्ट्रीय पर्वों एवं विभिन्न महापुरुषों की जयनतियों के अवसर पर भी राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों में भागीदारी की जाती है। इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना होता है ताकि वे सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेकर समाज में फैली हुई सामाजिक कुरीतियों तथा नशा,जुआ और सट्टा आदि बुराईयों से स्वयं बचकर इन कुरीतियों के प्रति समाज में लोगों को जागरुक कर सकें। उन्होंने इस दौरान सभी वॉलिंटियर्स को परीक्षा में नकल न करने की शपथ भी दिलाई। उन्होंने बताया कि बोर्ड की परीक्षाओं के तुरंत पश्चात जिला स्तरीय सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का आयोजन किया जाएगा जिसमें जिले की विभिन्न एनएसएस यूनिट्स के 180 वालंटियर्स भाग लेंगे।

जनता की शिकायतों को गंभीरता से लेने व शीघ्र निराकरण के निर्देश : नगराधीश

प्रशासन आमजन को राहत पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध : आशीष कुमार

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। प्रशासन द्वारा आयोजित समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याओं का प्रभावी समाधान कर उन्हें राहत पहुंचाई जा रही है। इस क्रम में लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित समाधान शिविर में नागरिकों ने बढ़-चढकर हिस्सा लिया और अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। समाधान शिविर में कुल 11 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनके समाधान के लिए नगराधीश अशीष कुमार ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। समाधान शिविर में नगराधीश आशीष कुमार ने जन शिकायतों को सुना और उनके त्वरित निवारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। शिविर में राजस्व, नगर निगम, बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा एवं पेंशन से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर चर्चा हुई और कई मामलों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। उन्होंने सरकार द्वारा आयोजित इस समाधान शिविर की सराहना करते हुए इसे जनहित में एक सकारात्मक व कारगर कदम बताया। उन्होंने कहा कि इस पहल से आमजन को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं, जिससे समय और श्रम की बचत हो रही है। नगराधीश ने कहा कि प्रशासन आमजन को राहत पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है और समाधान शिविरों का उद्देश्य नागरिकों को उनकी समस्याओं से त्वरित राहत दिलाना है। उन्होंने आश्वस्त किया कि भविष्य में भी इस तरह के शिविर आयोजित किए जाएंगे ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाभ मिल सके। इस समाधान शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे और उन्होंने जनता की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया। शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और प्रशासन की इस पहल की सराहना की।

पीएमश्री स्कूल पाटखोरी में फर्स्ट एड शिविर आयोजित, बच्चों और अध्यापकों को दी सीपीआर की जानकारी

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। जिला उपायुक्त एवं अध्यक्ष जिला रैड क्रॉस सोसाइटी नूह विसराम कुमार मीणा के कुशल मार्गदर्शन एवं सचिव महेश गुप्ता की देखरेख में जिला रैड क्रॉस सोसाइटी नूह ने पी एम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पाटखोरी द्वारा आयोजित स्वास्थय जागरूकता शिविर में स्वस्थ रहने तथा जीवन दायिनी विधि सी पी आर तकनीकी बारे जागरूक किया गया। जिसकी अध्यक्षता विद्यालय प्रिंसिपल परवीन सैनी ने की तथा बताया कि किसी को भी कभी भी आपातकालीन समस्या का सामना करना पड़ सकता है इसलिए विद्यालय के छात्रों को फर्स्ट एड का ज्ञान अनिवार्य है।

जिला रैड क्रॉस सोसाइटी नूह के जिला प्रशिक्षण अधिकारी महेश मलिक ने करीब 200 विद्यार्थियों को पौष्टिक आहार लेने, हरि पत्ती वाली सबजियां, लोहे की कढ़ाई में खाना बनवाने बारे जागरूक किया ताकि हर छात्र छात्रा का हीमोग्लोबिन बेहतर हो और वह स्वस्थ हो। उन्होंने जागरूक करते हुए बताया कि किसी भी दुर्घटना के दौरान घायल को मौके पर एंबुलेंस पहुंचने या अस्पताल पहुंचने तक उपयुक्त प्राथमिक सहायता, हार्ट अटैक, सिक्का निगलना, आगजनी के दौरान धुआं होने, बिजली का करंट लगने, पानी में डूबने, शरीर से बहुत खून बहने की सतिथी में पीड़ित को ट्रांसपोर्ट करने, हार्ट के कार्य न करने तथा सांस न आने की अवस्था में जीवनदायिनी विधि सी0पी0आर0 का प्रयोगात्मक तरीका समझाया। इस जागरूकता सेमिनार में पीएम श्री स्कूल पाटखोरी का समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। उस अवसर पर सभी उपस्थित को सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा मुहिम के तहत सड़क सुरक्षा नियमों की पालना हेतु शपथ दिलाई गई।

समापन शिविर में किया सम्मान :

3 दिवसीय स्वास्थ्य शिविर के समापन अवसर पर प्रधानाचार्य परवीन सैनी ने शिविर में 3 दिन तक सेवाएं देने वाले डॉक्टर्स और सहयोगी स्टाफ को प्रतीक चिन्ह और प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया।

बव्वा में तीन दिवसीय माता शीतला मेले का आयोजन 17 से

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। निकटवर्ती गांव बव्वा में आगामी 17 मार्च, सोमवार से तीन दिवसीय मेले का आयोजन किया जा रहा है। सुरेंद्र यादव, राजीव ने बताया कि सोमवार को शीतला माता मंदिर में विशाल जागरण का आयोजन होगा। प्रतिवर्ष की भांति आयोजित होने वाले इस समारोह को लेकर मंदिर कमेटी व ग्रामीणों की ओर से तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि 17 मार्च को रात्री 9 बजे से जागरण होगा जिसमें जयवीर भाटी, सुरेंद्र भाटी, मनु तंवर, नरेश नागर, छाया चैधरी, ज्योति यादव माता के भजनों की प्रस्तुती देगीं। उसके बाद मंगलवार 18 मार्च को सुबह 10 बजे भंडारा प्रारंभ होगा जिसमें श्रधालुओं को प्रसाद वितरित किया जायेगा। 19 मार्च बुधवार को मेले का आयोजन होगा। जिसमें दूर दराज से आए श्रधालु माता मंदिर में मत्था टेक मन्नतें मागेंगें।

स्कूल जाने के घर से निकला 12वीं कक्षा का छात्र हुआ लापता

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना के एक निजी स्कूल में पढने वाला 12वीं कक्षा का विद्यार्थी अक्समात लापता हो गया। जिसका अभी तक कोई सुराग नहीं लग सका है। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। इस बारे में वार्ड 11 निवासी अनिता देवी ने कनीना शहर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका बेटा यूरो स्कूल कनीना में पढता है। 4 मार्च को सुबह वह रोजमर्रा की भांति स्कूल में गया था जो छुट्टी होने के बाद घर नहीं पंहुचा। परिजनों ने अपने स्तर पर काफी खोजबीन की लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। पुलिस ने अनिता देवी की शिकायत पर छात्र की गुमशुदगी को केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान खेड़ा सिवानी में हुआ रोजगार मेले का आयोजन

समाचार गेट/सोनिका सूरा

सिवानी मंडी। निदेशालय के निर्देश पर राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान खेड़ा सिवानी में युवाओं के लिए रोजगार मेले का आयोजन किया गया। जापानी बेस कम्पन्नी सूमीरिको ऑटो पार्ट्स इडियां प्राईवेट लिमिटेड निमराणा साक्षात्कार के लिए संस्थान पहुँची। कम्पन्नी से आये एच आर डिपार्टमेंट से धर्मवीर जी व वीरपाल जी ने संस्थान में 43 छात्रों का साक्षात्कार लेते हुए 25 छात्रों का चयन किया। इस दौरान संस्थान के प्रधानाचार्य श्री सतीश सिंधु ने कम्पन्नी से आये प्रतिनिधियों का संस्थान में पहुँचने पर स्वागत किया। रोजगार मेले का आयोजन करने में संस्थान के वर्ग अनुदेशक नरेन्द्र कुमार, सुखविंद्र, प्रदीप कुमार, सन्तलाल, जगजीत जुगलानिया व डॉ घनश्याम माहिया ने अहम भूमिका निभाई।

न्यायिक परिसर कनीना में कल होगा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन : मंजीत

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण व जिला एवं सत्र न्यायाधीश नरेंद्र सूरा के निर्देशानुसार मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी शैलजा गुप्ता के मार्गदर्शन में कल 8 मार्च,शनिवार को न्यायिक परिसर कनीना में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। कनीना बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित प्रधान एडवोकेट मंजीत यादव ने बताया कि 8 मार्च को आयोजित होने वाली लोक अदालत में दोनों पक्षों की सहमति से केस का निपटारा कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस राष्ट्रीय लोक अदालत में वैवाहिक विवाद, अपराधिक मामले जो की मिश्रित हों, भूमि अधिग्रहण मामले, बैंक रिकवरी मामले, पेंशन मामले, एमवी तथा एनआई एक्ट सहित उपभोक्ता शिकायत मामले, बिजली मामले, टेलीफोन बिल विवाद, अन्य दीवानी मामले जैसे विभाजन, कब्जे के मामले से संबंधित, किराया संबंधी मामले, इजमेंट्री का अधिकार व कॉन्ट्रैक्ट्स सम्बंधी मामले निपटारे के लिए रखे जाएंगे। उन्होंने बताया कि लोक अदालत में हिस्सा लेकर केसों का निपटारा करवा सकते हैं।

आजादी की लड़ाई के शहीदी स्मारक के प्रतीक चिन्ह के लिए सरकार ने इच्छुक कलाकारों से मांगे आवेदन

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। हरियाणा के जिला अंबाला में शहीदी स्मारक में प्रतीक चिन्ह को बनाने के लिए हरियाणा सरकार ने इच्छुक कलाकारों/ डिजाइनरों और लोगों से आवेदन मांगे है। जिस भी व्यक्ति का सबसे बेहतर प्रतीक चिन्ह होगा उस व्यक्ति को सरकार द्वारा एक लाख रुपए का ईनाम दिया जाएगा। आजादी की पहली लड़ाई 1857 की क्रांति के दौरान शहीद हुए वीर जवानों की याद में 22 एकड़ में राज्य सरकार शहीदी स्मारक का निर्माण कर रही है जो अंतिम चरण में है। सरकार इस स्मारक को भव्य बनाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है। आगामी दिनों में लोग इस स्मारक के जरिए ना सिर्फ आजादी के इतिहास के बारे में जान पाएंगे बल्कि प्रेरणा भी लेंगे। इस स्मारक को और भव्य बनाने और इसकी खूबसूरती में चार चांद लगाने के लिए इस स्मारक में एक खास प्रतीक चिन्ह (Logo) लगाया जाएगा। इस प्रतीक चिन्ह को बनाने के लिए हरियाणा सरकार ने इच्छुक कलाकारों/ डिजाइनरों और लोगों से आवेदन मांगे है। ऐसे में जो भी व्यक्ति इच्छुक है वो एक अप्रैल शाम पांच बजे तक directorshaheedsamarak@gmail.com पर अपनी प्रविष्टिया भेज सकते है। सरकार ने इसको लेकर कुछ दिशा निर्देश भी जारी किए गए है। इस प्रतीक चिन्ह के लिए सरकार ने खास ध्यान रखा है कि जो भी व्यक्ति इस प्रतीक चिन्ह को बनाएगा उसकी थीम आज़ादी की लड़ाई पर आधारित होनी चाहिए। साथ ही प्रतीक चिन्ह की साइज 123 15 होना चाहिए।

'राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
समाचार गेट
को TITLE CODE : HARHIN11569
आवश्यकता है
♦ हरियाणा के प्रत्येक जिले में ब्यूरो चीफ
♦ उपमंडल व ब्लॉक स्तर पर संवाददाता
♦ ग्रामीण संवाददाता ♦ फोटोग्राफर
♦ विज्ञापन प्रतिनिधि
इच्छुक युवक-युवती अपना बायोडेटा मेल करें-
samachargate@gmail.com
Cont.: 9212339503

संक्षिप्त समाचार

लुइसियाना पेट्रोकेमिकल प्लांट के खिलाफ मुकदमा वापस लेगी ट्रंप सरकार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की ट्रंप सरकार ने लुइसियाना में सिंथेटिक रबर निर्माता कंपनी के खिलाफ संघीय कानून को वापस लेने का फैसला किया है। दरअसल कंपनी पर आरोप लगा है कि इसके चलते कैंसर का खतरा बढ़ रहा था। लुइसियाना अश्वेत बहुल इलाका है। बाइडन सरकार में लुइसियाना की कंपनी के खिलाफ पर्यावरण सुरक्षा एजेंसी ने मुकदमा दायर किया था। हालांकि राष्ट्रपति ट्रंप ने सत्ता संभालते ही पर्यावरण सुरक्षा एजेंसी के 170 कर्मचारियों को छुट्टी पर भेज दिया। अब मुकदमा वापस लेने के ट्रंप प्रशासन के फैसले से कंपनी को बड़ी राहत मिलेगी, जो कई वर्षों से मुकदमेबाजी में फंसी थी।

अफगानिस्तान में 6000 किलोग्राम से अधिक ड्रग्स बरामद, दो गिरफ्तार

काबुल , एजेंसी। अफगानिस्तान पुलिस ने सोमवार रात उत्तरी अफगानिस्तान के तखर प्रांत में भारी मात्रा में अवैध ड्रग्स बरामद की। स्थानीय अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि इस संबंध में दो आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया। प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता मोहम्मद अकबर हक्कानी ने कहा, पुलिस ने प्रांत की राजधानी तालुकान शहर के खटयान क्षेत्र में कुल 6,299 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद की। उन्होंने कहा कि ड्रग्स को एक गैस टैंकर के अंदर छिपाया गया था। अधिराकी ने कहा कि वाहन ताखर के पड़ोसी प्रांत बदख्शां से आ रहा था। इस मामले के सिलसिले में दो संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार ने अफीम की खेती और ड्रग्स के उत्पादन और तस्करी पर प्रतिबंध लगा दिया है। उसने तब तक कार्रवाई जारी रखने की बात कही है जब तक देश ड्रग्स से मुक्त नहीं हो जाता। इस बीच, दक्षिणी अफगानिस्तान के कंधार प्रांत में मादक पदार्थ निरोधक पुलिस ने 15 किलोग्राम हेरोइन समेत भारी मात्रा में अवैध ड्रग्स बरामद की है और 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया। प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता मुल्ला असदुल्ला जमशेद ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पिछले दो दिनों में कई अभियानों के दौरान 15 किलोग्राम हेरोइन, 689 किलोग्राम हशीश और हेरोइन बनाने में इस्तेमाल होने वाली वस्तुएं और सैकड़ों नशीली गोलियां बरामद की गई हैं। उन्होंने जानकारी दी कि अभियान के दौरान पुलिस ने आठ एकड़ अफीम की खेती को भी नष्ट कर दिया।

न्यूजीलैंड में देश के नाम पर हुआ विवाद

वेलिंगटन, एजेंसी। न्यूजीलैंड की संसद में देश के नाम पर विवाद हो गया। न्यूजीलैंड की संसद के स्पीकर ने सांसदों से कहा कि वे देश के माओरी नाम, एओटेरोआ पर आपत्ति करना बंद करें। दरअसल एक सांसद ने इस पर प्रतिबंध लगाने की मांग की थी, लेकिन स्पीकर ने इस पर नाराजगी जताई। स्पीकर गेरी ब्राउनली ने मंगलवार को एक फैसले में कहा, एओटेरोआ का इस्तेमाल नियमित रूप से न्यूजीलैंड के नाम के रूप में किया जाता है। यह हमारे पासपोर्ट और हमारी मुद्रा पर भी दिखाई देता है। ऐसे में इस पर आपत्ति गलत है। दरअसल नाम को लेकर विवाद पिछले महीने तब शुरू हुआ जब एक सांसद ने दूसरे सांसद द्वारा इस नाम के इस्तेमाल पर आपत्ति जताई। वामपंथी ग्रीन पार्टी के रिकार्डो मेनेंडेज मार्च ने एक मंत्री से सवाल के दौरान एओटेरोआ नाम का इस्तेमाल किया। माओरी भाषा में इस संयुक्त शब्द का अर्थ है लंबे सफेद बादल की भूमि। इस पर न्यूजीलैंड के उप-प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री और न्यूजीलैंड फर्स्ट कैंपेन के मशहूर नेता विंस्टन पीटर्स ने एओटेरोआ नाम पर आपत्ति जताई। पीटर्स ने ब्राउनली से संसद में एओटेरोआ शब्द के इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए कहा। मंगलवार को ब्राउनली ने कहा कि सांसदों को पहले से ही न्यूजीलैंड की तीन आधिकारिक भाषाओं - अंग्रेजी, माओरी और न्यूजीलैंड सांकेतिक भाषा में से किसी में भी संसद को संबोधित करने की अनुमति है। इसके बाद उन्होंने विंस्टन पीटर्स की आपत्ति को खारिज कर दिया।

कनाडाई प्रधानमंत्रीबोले- ट्रम्प का हम पर टैरिफ लगाने का फैसला बेवकूफी भरा कदम

ओटावा, एजेंसी। कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने डोनाल्ड ट्रम्प की तरफ से कनाडा पर

25प्रतिशत एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने के फैसले को बेवकूफी भरा बताया। उन्होंने कहा कि ट्रम्प भले ही होशियार इंसान हैं, लेकिन ऐसा करना बहुत मूर्खतापूर्ण है। हम दो दोस्तों की लड़ाई बिल्कुल वैसी ही है, जैसी दुनिया भर में हमारे विरोधी देखना चाहते हैं। ट्रूडो ने कहा कनाडा वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन के जरिए अमेरिकी टैरिफ को चुनौती देगा। अमेरिका के टैरिफ के जवाब में कनाडा ने भी टैरिफ का ऐलान किया है। इसे लेकर कनाडाई पीएम ने कहा कि जब तक अमेरिका टैरिफ वापस नहीं लेगा, तब तक हमारा टैरिफ भी लागू रहेगा। ट्रूडो ने कहा- ट्रम्प चाहते हैं कि कनाडा की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से बर्बाद हो जाए, क्योंकि इससे उन्हें कनाडा को अमेरिका में मिलाना आसान हो जाएगा। मैं बता दूं कि ऐसा कभी नहीं होने वाला है। हम कभी भी अमेरिका के 51वें राज्य नहीं बनेंगे।

कांग्रेस के संबोधन में ट्रंप ने की घोषणा, दो अप्रैल से भारत पर पारस्परिक टैरिफ लागू होंगे

वाशिंगटन, एजेंसी। कांग्रेस के संयुक्त सत्र में अपने दूसरे कार्यकाल के पहले संबोधन के दौरान, संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपनी कठोर टैरिफ नीति का बचाव किया, तथा दोहराया कि अमेरिका को भारत सहित दुनिया भर के कई देशों से उच्च टैरिफ का सामना करना पड़ रहा है।

ट्रंप ने अपने संबोधन के दौरान कहा, अगर आप ट्रंप प्रशासन के तहत अमेरिका में अपना उत्पाद नहीं बनाते हैं, तो आपको टैरिफ देना होगा और कुछ मामलों में, काफी बड़ा टैरिफ देना होगा। दूसरे देशों ने दशकों तक हमारे खिलाफ टैरिफ का इस्तेमाल किया है और अब हमारी बारी है कि हम उन दूसरे देशों के खिलाफ टैरिफ का इस्तेमाल करना शुरू करें। यह बहुत अनुचित है।'

ट्रंप ने उन देशों का नाम गिनाया, जो अमेरिका से बहुत ज़्यादा टैरिफ वसूलते हैं, जिनमें भारत भी शामिल है। ट्रंप ने कहा, औसतन, यूरोपीय संघ, चीन, ब्राज़ील, भारत, मैक्सिको और कनाडा...क्या आपने उनके बारे में सुना है? और अनगिनत दूसरे देश हमसे बहुत ज़्यादा टैरिफ वसूलते हैं, जितना हम उनसे वसूलते हैं। उन्होंने कहा, यह बहुत अनुचित है। अपने भाषण के दौरान भारत का ज़िक्र करते हुए ट्रंप ने कहा, भारत हमसे 100 प्रतिशत से ज़्यादा ऑटो टैरिफ वसूलता है। उन्होंने आगे कहा, हमारे उत्पादों पर चीन का औसत टैरिफ हमसे दोगुना है और दक्षिण कोरिया का औसत

टैरिफ चार गुना अधिक है। ट्रम्प ने घोषणा की कि संयुक्त राज्य अमेरिका कई देशों पर पारस्परिक टैरिफ लगाएगा, जो 1 अप्रैल से नहीं बल्कि 2 अप्रैल से शुरू होगा, क्योंकि वह नहीं चाहते थे कि यह अप्रैल फूल्स डे के साथ मेल खाए।

बाइडेन प्रशासन को आर्थिक तबाही के लिए ठहराया जिम्मेदार : उन्होंने बाइडेन प्रशासन को आर्थिक तबाही के लिए जिम्मेदार ठहराया। ट्रंप ने कहा, मेरी सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में से एक अमेरिकी इकोनॉमी को बचाना और वर्किंग फैमिलीज को तुरंत और बड़ी राहत देना है। बाइडेन प्रशासन से हमें आर्थिक तबाही और महंगाई का बुरा सपना विरासत में मिला है। बाइडेन की नीतियों ने एनर्जी की कीमतें बढ़ा दीं, किराने का सामान महंगा कर दिया और लाखों अमेरिकियों के लिए बुनियादी जरूरतों को पहुंच से बाहर कर दिया। राष्ट्रपति के रूप में, मैं हर दिन इस नुकसान को ठीक करने और अमेरिका को फिर से किफायती बनाने के लिए लड़ रहा हूं।

100 एग्जिक्यूटिव ऑर्डर्स का भी किया जिक्र : ट्रंप ने 100 एग्जिक्यूटिव ऑर्डर्स का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, मैंने अब तक लगभग 100 एग्जीक्यूटिव ऑर्डर्स पर साइन किए हैं और छह हफ्ते पहले पद संभालने के बाद 400 से ज्यादा कार्यकारी कदम उठाए हैं। उनके मुताबिक जॉर्ज वाशिंगटन का कार्यकाल 'नंबर दो' था, जबकि उनका सबसे ऊपर है।

इक्विटी और इन्क्लूजन को खत्म करने का किया ऐलान : उन्होंने डायवर्सिटी, इक्विटी और इन्क्लूजन को खत्म करने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि मैंने फेडरल सरकार, प्राइवेट सेक्टर और अमेरिकी सेना में लागू 'डायवर्सिटी, इक्विटी और इन्क्लूजन' (डीईआई) नीतियों को खत्म कर दिया। अब हमारा देश वोक नहीं रहेगा।

अमेरिका में फ्री स्पीच वापस लाने का भी किया दावा : ट्रंप ने अमेरिका में फ्री स्पीच वापस लाने का भी दावा किया। उन्होंने कहा, हमने ऐसे सरकारी तंत्र को खत्म कर दिया है, जिसका इस्तेमाल हथियार के तौर पर किया जाता है, जिसके जरिए मौजूदा राष्ट्रपति को मेरे जैसे राजनीतिक विरोधी के खिलाफ बेरहमी से मुकदमा चलाने की इजाजत दी जाती है।

रेसिप्रोकल टैक्स लगाने की घोषणा की : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा, मेक्सिको, चीन और भारत पर रेसिप्रोकल टैक्स लगाने की घोषणा की। उन्होंने कहा, कनाडा, मेक्सिको, भारत और दक्षिण कोरिया बहुत टैरिफ लगाते हैं। हम दो अप्रैल से कनाडा, मेक्सिको, चीन और भारत पर रेसिप्रोकल टैक्स लगाएंगे, जो हम पर टैक्स लगाएंगे, हम भी उन पर उतना ही टैक्स लगाएंगे।

डब्ल्यूएचओ को भ्रष्ट और संयुक्त राष्ट्र ह्यूमन राइट्स कमीशन को अमेरिका विरोधी बताया : उन्होंने डब्ल्यूएचओ को भ्रष्ट और संयुक्त राष्ट्र ह्यूमन राइट्स कमीशन को अमेरिका विरोधी बताया। उन्होंने अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए कहा, मैंने पद संभालते ही सभी फेडरल भर्तियों, नई फेडरल नीतियों और विदेशी सहायता पर तुरंत रोक लगा दी।

चीन ने फिर बढ़ाया अपना रक्षा बजट, रोजगार बढ़ाने पर चीन की सरकार का जोर

बीजिंग, एजेंसी। चीन लगातार अपनी सैन्य ताकत बढ़ाता जा रहा है। इसी के तहत चीन ने एक बार फिर अपने रक्षा बजट

में बढ़ोतरी करने का एलान किया है। चीन ने बुधवार को अपने रक्षा बजट का एलान किया, जिसमें चीन ने रक्षा खर्च के लिए 249 अरब डॉलर का बजट रखा है। यह पिछले साल के बजट की तुलना में 7.2 प्रतिशत ज्यादा है।

पिछले साल भी चीन ने अपने रक्षा बजट में की थी बढ़ोतरी चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग के सामने पेश किए गए ड्राफ्ट बजट में इस साल चीन का रक्षा बजट 1.7 खरब युआन (249 अरब डॉलर) तय किया गया है। गौरतलब है कि बीते साल भी चीन ने अपने रक्षा बजट में 7.2 प्रतिशत की वृद्धि की थी। पिछले साल चीन का रक्षा बजट 1.67 खरब युआन या कहें 232 अरब डॉलर था। चीन अपनी सेना का बड़े पैमाने पर आधुनिकीकरण कर रहा है। इसके तहत चीन नए एयरक्राफ्ट करियर बना रहा है, तेजी से नौसैन्य जहाजों का निर्माण कर रहा है और स्टील्थ तकनीक पर आधारित लड़ाकू विमानों को विकसित कर रहा है। चीन, अमेरिका को हर मोर्चे पर चुनौती देने की तैयारी कर रहा है और इसी के तहत वह अपनी सेना को भी मजबूत करने में जुटा है। हालांकि अभी अमेरिका की तुलना में चीन का बजट काफी कम है, लेकिन जिस तेजी से चीन अपने सैन्य खर्च को बढ़ा रहा है, उसे देखते हुए जल्द ही चीन के भी अमेरिका के नजदीक पहुंचने की उम्मीद है। इसके अलावा चीन दक्षिण चीन सागर और वियतनाम के साथ भी हालात तनावपूर्ण हैं। भारत के साथ भी चीन का सीमा विवाद है। गौरतलब है कि भारत के मुकाबले चीन का सैन्य बजट तीन गुना से भी ज्यादा हो गया है। बीते दिनों पेश किए गए बजट में भारत ने अपने सैन्य खर्च के लिए 75 अरब डॉलर आवंटित किए थे। जबकि चीन का यह खर्च 249 अरब डॉलर है। इससे दोनों देशों के बीच के अंतर को साफ समझा जा सकता है। अन्य देशों की बात करें तो अमेरिका इस मामले में सबसे आगे है और उसका सैन्य बजट 895 अरब डॉलर है।

नेपाल ने प्रमुख सीमा-पार रेलवे परियोजनाओं के शेष काम को पूरा करने का आश्वासन दिया

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल ने भारत को आश्वासन दिया है कि वह जयनगर-बिजलपुरा-बरदीबास और जोगबनी-विराटनगर सीमा-पार रेलवे लाइनों के शेष खंडों पर काम जल्द शुरू करने और पूरा करने के लिए कदम उठाएगा। रेलवे लाइन भारत के वित्तीय सहयोग से बिछाई जा रही हैं। दिल्ली में 27-28 फरवरी को आयोजित भारत-नेपाल परियोजना संचालन समिति और संयुक्त कार्य समूह की बैठकों में विभिन्न सीमा-पार रेलवे परियोजनाओं से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि दोनों पक्षों ने भारत और नेपाल के बीच जयनगर-बिजलपुरा-बरदीबास और जोगबनी-विराटनगर बड़ी लाइन पर हो रहे कार्यों को लेकर चर्चा की।

पाकिस्तान में दो आत्मघाती बम विस्फोटों में 9 की मौत, 25 घायल

पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू जिले के आर्मी कैंट इलाके में दो आत्मघाती बम विस्फोट हुए. इन धमाकों में कम से कम नौ लोग मारे गए जबकि 25 घायल हो गए. पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हमले की निंदा की है. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तानी तालिबान से जुड़े एक समूह ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू में हुए हमले की जिम्मेदारी ली और कहा कि इस हमले में कई पाकिस्तानी सुरक्षा बल मारे गए. हालांकि सेना ने तुरंत किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं दी. इस बीच बन्नू जिला अस्पताल की ओर से कहा गया कि कम से कम नौ लोग मारे गए.

रिपोर्ट के अनुसार पुलिस अधिकारियों में शामिल जाहिद खान ने कहा दो विस्फोटों के बाद हवा में धुंआ का गुबार उठ रहा था और गोलीबारी जारी थी. मरने वालों में चार बच्चे थे. पीड़ित विस्फोट स्थल के पास ही रहते थे. हमले सूर्यास्त के बाद हुए जब लोग मुस्लिम पवित्र महीने रमजान के दौरान अपना रोजा खोल रहे होते हैं. बन्नू जिला अस्पताल के प्रवक्ता मुहम्मद नोमान के अनुसार शाम को हुए धमाकों में घरों और दूसरी इमारतों को बहुत नुकसान पहुंचा. छतें और दीवारें ढह गई और इसी वजह से लोग हताहत हुए. कहा जा रहा है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है.

बचावकर्मियों और प्रांतीय सरकार के प्रवक्ता मुहम्मद अली सैफ के अनुसार विस्फोटों के कारण पास की एक मस्जिद की छत गिर गई, जबकि कई नमाजी अंदर मौजूद थे. मलबे के नीचे से लोगों को निकालने की कोशिश की गई. बचावकर्मियों ने मस्जिद

के इमाम का शव बरामद किया.

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार दो आत्मघाती हमलावरों ने विशाल सैन्य क्षेत्र की दीवार के पास खुद को उड़ा लिया. दीवार के साथ विस्फोट के बाद कुछ और हमलावरों ने सैनिक अड्डे में घुसने की कोशिश की, लेकिन उन्हें मार गिराया गया. जैश अल-फुरसान ने हमले की जिम्मेदारी ली है. रमजान रविवार से शुरू होने के बाद से यह पाकिस्तान में तीसरा आतंकवादी हमला है.

एक बयान में समूह ने कहा कि विस्फोट का कारण विस्फोटकों से लदा वाहन था. पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हमले की निंदा की और जानमाल के नुकसान पर दुख व्यक्त किया. खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने जांच के आदेश दिए हैं.

आतंकियों ने कई बार बन्नू को निशाना बनाया है. पिछले नवंबर में एक आत्मघाती कार बम विस्फोट में 12 सैनिक मारे गए थे और कई अन्य घायल हो गए थे. जुलाई में एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से लदे अपने वाहन में विस्फोट कर दिया और अन्य आतंकवादियों ने सैन्य प्रतिष्ठान की बाहरी दीवार के पास गोलीबारी शुरू कर दी.

पिछले साल की शुरुआत से सूडान में 200 से अधिक बच्चों से बलात्कार हुआ : यूनिसेफ

काहिरा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र बाल एजेंसी 'यूनिसेफ' ने बताया कि संघर्ष-ग्रस्त सूडान में 2024 की शुरुआत से एक साल की उम्र तक के बच्चे बलात्कार का शिकार हुए हैं। 'यूनिसेफ' के अनुसार, यौन हिंसा का इस्तेमाल युद्ध की रणनीति के रूप में किया जा रहा है। 'यूनिसेफ' ने बताया कि उत्तर अफ्रीकी देश में लिंग आधारित हिंसा के विषय में काम करने वाली संस्थाओं द्वारा संकलित रिकॉर्ड के अनुसार, सशस्त्र बलों ने लड़कों सहित 221 बच्चों से बलात्कार किया। सूडान में युद्ध की शुरुआत अप्रैल 2023 में सेना और उसके प्रतिद्वंद्वी अर्द्धसैनिक 'रैपिड सपोर्ट फोर्स' के बीच खार्तूम में लड़ाई से हुई जो देश भर में फैल गई। तब से कम से कम 20,000 लोग मारे गए हैं, हालांकि यह संख्या कहीं अधिक होने की आशंका है। युद्ध के कारण 1.4 करोड़ से अधिक लोग अपने अपने घरों को छोड़ने पर मजबूर हुए और देश के कुछ हिस्से भूखमरी की कगार पर हैं। अधिकार समूहों का कहना है कि यौन हिंसा और जबरन बाल विवाह सहित अत्याचार दोनों पक्षों

द्वारा किए गए हैं।

'यूनिसेफ' ने पिछले महीने बताया था कि युद्ध शुरू होने के बाद से अनुमानित 61,800 बच्चे आंतरिक रूप से विस्थापित हुए हैं। 'यूनिसेफ' ने कहा कि बच्चों के साथ बलात्कार के मामलों में 30 प्रतिशत से अधिक पीड़ित लड़के थे। पीड़ितों में पांच वर्ष से कम उम्र के 16 बच्चे और चार शिशु शामिल हैं। ये मामले गदारेफ, कसाला, गेजेरा, खार्तूम, रिवर नाइल, नॉर्दर्न स्टेट, साउथ कोर्दोफन, नॉर्थ दारफुर और वेस्ट दारफुर राज्यों में दर्ज किए गए। 'यूनिसेफ' की प्रवक्ता टेस इनग्राम ने 'एसोसिएटेड प्रेस' (एपी) को बताया कि बलात्कार के शिकार हुए 221 बच्चों में से 73 मामले संघर्ष से संबंधित थे और 71 इससे संबंधित नहीं थे जबकि अन्य अज्ञात थे।

यूनिसेफ की कार्यकारी निदेशक कैथरीन रसेल ने रिपोर्ट में कहा कि बलात्कार सहित यौन हिंसा का इस्तेमाल ''युद्ध की रणनीति के रूप में किया जा रहा है'' जो अंतरराष्ट्रीय कानून और बच्चों की सुरक्षा से जुड़े कानूनों का उल्लंघन है। महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा का दस्तावेजीकरण करने वाला गैर-लाभकारी संगठन 'एसआईएचए नेटवर्क' ने पिछले महीने कहा था कि युद्ध शुरू होने के बाद से संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा के लगभग 23 प्रतिशत मामले लड़कियों से जुड़े थे। दक्षिण कोर्दोफन में बंदूक के बल पर एक लड़के से बलात्कार किया गया और छह साल के बच्चे सहित कई बच्चों के साथ भी दुष्कर्म किया गया।

राष्ट्रपति ट्रंप ने 13 साल के बच्चे को बनाया सीक्रेट सर्विस एजेंट, इसकी वजह भावुक करने वाली

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जनवरी में सत्ता संभालने के बाद पहली बार अमेरिकी संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने अपनी सरकार के दूसरे कार्यकाल में अब तक किए गए कामों का जिक्र किया। ट्रंप ने अपने संबोधन के दौरान एक 13 साल के बच्चे डीजे डेनियल को सीक्रेट सर्विस एजेंट नियुक्त करने का भी एलान किया। जिस वक्त ट्रंप ने यह एलान किया, उस वक्त गैलरी में डीजे भी अपने परिजनों के साथ मौजूद रहा। डीजे के लिए पूरे सदन ने खड़े होकर तालियां बजाईं। दरअसल डीजे डेनियल कैंसर से पीड़ित है और उसका सपना था कि वह पुलिस अधिकारी बने। बच्चे की हालत को देखते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने उसे सीक्रेट सर्विस एजेंट नियुक्त करने का फैसला किया।

दुर्लभ कैंसर से पीड़ित है डीजे डेनियल : राष्ट्रपति ट्रंप ने बताया कि डीजे डेनियल साल 2018 से एक दुर्लभ कैंसर से ग्रस्त है और डॉक्टर्स ने बताया था कि डीजे के पास सिर्फ पांच महीने का ही वक्त है, लेकिन तमाम मुश्किलों के बावजूद डीजे लड़ा और आज छह साल बीत गए हैं। उसने कभी भी अपने पुलिस अधिकारी बनने के सपने को नहीं छोड़ा। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि आज की रात हम डीजे को उसकी जिंदगी का सबसे बड़ा सम्मान देंगे। मैं हमारे सीक्रेट सर्विस निदेशक सीन कुरन से कहता हूं कि वे

आधिकारिक तौर पर तुम्हें अमेरिकी सीक्रेट सर्विस का एजेंट नियुक्त करें। ट्रंप के इस एलान के बाद पूरा सदन भावुक हो गया और दोनों पार्टियों के सांसदों ने खड़े होकर डीजे और उसके पिता के सम्मान में तालियां बजाईं। इस दौरान सांसदों ने डीजे..डीजे के नारे भी लगाए। इसके बाद सीन कुरन ने डीजे को सीक्रेट सर्विस एजेंट का आधिकारिक बैज सौंपा। इससे खुश डीजे ने कुरन को गले लगा लिया।

ट्रंप ने टैरिफ को लेकर कही ये बात : ट्रंप ने अपने संबोधन के दौरान एलान किया कि 2 अप्रैल को पारस्परिक टैरिफ लागू होंगे। जो भी देश हम पर टैरिफ लगाते हैं, हम उन पर टैरिफ लगाएंगे। यदि वे हमें अपने बाजार से बाहर रखने के लिए गैर-मौद्रिक टैरिफ लगाते हैं, तो हम भी उन्हें अपने बाजार से बाहर रखने के लिए गैर-मौद्रिक अवरोध लगाएंगे।

विदेश मंत्री जयशंकर ने लंदन में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री, मंत्रियों से की वार्ता

लंदन, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार शाम यहां ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर से मुलाकात की और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से उन्हें शुभकामनाएं दीं। जयशंकर ने कहा कि ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के साथ उनकी मुलाकात में द्विपक्षीय सहयोग तथा रूस-यूक्रेन संघर्ष पर ब्रिटेन के दृष्टिकोण संबंधी मुद्दे रहे।

जयशंकर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''हमारे द्विपक्षीय, आर्थिक सहयोग को आगे बढ़ाने और एक दूसरे के यहां लोगों की आवाजाही बढ़ाने पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री स्टार्मर ने यूक्रेन संघर्ष पर ब्रिटेन के दृष्टिकोण को भी साझा किया।'' इससे पूर्व मंगलवार को विदेश मंत्री (ईएएम) ने अपनी छह दिवसीय यात्रा के पहले दिन ब्रिटेन और आयरलैंड की यात्रा के दौरान मंत्रिस्तरीय वार्ताएं कीं। उन्होंने मंगलवार को ब्रिटेन के व्यापार एवं वाणिज्य मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स और गृह मंत्री यवेट कूपर के साथ भी भेंटवार्ता की। विदेश मंत्री एस जयशंकर ब्रिटेन और आयरलैंड के साथ द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के लिए मंगलवार को लंदन पहुंचे और इसी के साथ उनकी छह दिवसीय यात्रा शुरू हो गई। यात्रा से पहले एक बयान में विदेश मंत्रालय ने कहा कि जयशंकर की यात्रा से दोनों देशों के साथ भारत के मैत्रीपूर्ण संबंध नवीनीकृत होंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा, भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी है, जो रक्षा और सुरक्षा, व्यापार और अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य, शिक्षा, लोगों के बीच आपसी संबंधों सहित विविध क्षेत्रों में मजबूत हुई है।

द्विपक्षीय संबंधों और आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर की चर्चा : बैठक के बाद विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि ब्रिटेन के प्रधानमंत्री स्टार्मर के साथ उनकी मुलाकात में

द्विपक्षीय सहयोग के अलावा रूस-यूक्रेन संघर्ष पर ब्रिटेन के दृष्टिकोण संबंधी मुद्दे रहे। डॉ. एस. जयशंकर ने मुलाकात के दौरान हुई चर्चा के संदर्भ में एक्स पर लिखा, हमारे द्विपक्षीय, आर्थिक सहयोग को आगे बढ़ाने और लोगों के बीच आदान-प्रदान बढ़ाने पर चर्चा की गई। प्रधानमंत्री स्टार्मर ने यूक्रेन संघर्ष पर ब्रिटेन के दृष्टिकोण को भी साझा किया।

ब्रिटिश समकक्ष डेविड लैमी से भी की मुलाकात : बाद में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने अपने ब्रिटिश समकक्ष डेविड लैमी से मुलाकात की और आगे की चर्चा के लिए अपनी उत्सुकता व्यक्त की। उन्होंने लैमी के साथ भारत से आए उत्कृष्ट शोध-छात्रों से भी मुलाकात की। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि यह हमारी प्रतिभा और लोगों के बीच आदान-प्रदान की एक ज्वलंत अभिव्यक्ति है और ये विद्वान निश्चित रूप से भारत-ब्रिटेन संबंधों के महान समर्थक हैं। इससे पहले, डॉ. एस जयशंकर ने गृह सचिव यवेट कूपर से मुलाकात की और प्रतिभा के प्रवाह, लोगों के बीच आदान-प्रदान तथा तस्करी और उग्रवाद से निपटने के संयुक्त प्रयासों पर चर्चा की। डॉ. जयशंकर ने व्यापार और वाणिज्य विभाग के सचिव जोनाथन रेनोल्ड्स के साथ भी बैठक की और दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते की प्रगति के बारे में चर्चा की।

स्पेन में 2025 मोबाइल विश्व कांग्रेस में एक ड्रोन को ड्यूटसे टेलीकोम स्टेंड में प्रदर्शित किया गया। इस मोबाइल विश्व कांग्रेस में कारोबारी जगत के दिग्गजों के अलाव नीति निर्धारक और नई तकनीक तलाशने वाले एक साथ नजर आते हैं।

महाराष्ट्र में गन्ना पेराई सत्र में चीनी उत्पादन में 20 फीसदी की गिरावट

- चालू सीजन में अभी तक राज्य में 76 लाख टन चीनी का हो चुका उत्पादन

मुंबई ।

महाराष्ट्र में चीनी उत्पादन में भारी गिरावट के कारण गन्ना पेराई सत्र अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है। चालू सीजन में अभी तक राज्य में 76 लाख टन चीनी का उत्पादन हो चुका है जो पिछले सीजन से करीब 20 फीसदी कम है। गन्ने की कमजोर फसल, चीनी रिकवरी दर में गिरावट और एथेनॉल की तरफ झुकाव से राज्य के चीनी उत्पादन में भारी गिरावट होते दिख रही है। महाराष्ट्र चीनी आयुक्तालय के अनुसार, तीन मार्च तक महाराष्ट्र में चालू 2024-25 सीजन के लिए चीनी उत्पादन 761.19 लाख क्विंटल (लगभग 76.11 लाख टन) हुआ है। इसके बावजूद गन्ने की कमी के कारण राज्य की 92 मिलों ने अपना परिचालन बंद कर दिया है जो पिछले सीजन की तुलना में दोगुना है। वर्तमान में 108 मिलें गन्ना पेराई कार्यों में लगी हुई हैं, जबकि राज्य में 92 चीनी मिलों ने अपना परिचालन बंद कर दिया है। राज्य की कुल चीनी रिकवरी दर 9.37 फीसदी है, जो पिछले सीजन की तुलना में कम है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, कम पैदावार और बढ़ी हुई पेराई क्षमता के कारण मिलों ने इस सीजन में परिचालन जल्दी बंद कर दिया है। महाराष्ट्र में चीनी का उत्पादन कम होने का असर देश के कुल उत्पादन पर पड़ने वाला है और 2024-25 सीजन में चीनी उत्पादन में 15 फीसदी की गिरावट की आशंका है। भारत में सालाना करीब 280 लाख टन चीनी की खपत होती है, जिससे देश में गन्ने की कोई कमी नहीं रहने वाली है।

देश में 2014 से 2024 तक 17.1 करोड़ रोजगार अवसर पैदा हुएः मांडविया

नई दिल्ली ।

केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि 2014 से 2024 के दशक में देश के भीतर 17.1 करोड़ नौकरियां सृजित हुईं जिनमें से 4.6 करोड़ रोजगार अकेले पिछले साल ही सृजित हुए। मांडविया ने बजट पर आयोजित एक वेबिनार में कहा कि बेरोजगारी दर में उल्लेखनीय गिरावट आई है। यह 2017-18 के छह प्रतिशत से घटकर 2023-24 में 3.2 प्रतिशत पर आ गई। इसी अवधि में महिला रोजगार 22 प्रतिशत से खासा बढ़कर 40.3 प्रतिशत हो गया। श्रम मंत्री ने इन उपलब्धियों का श्रेय सरकार की प्रगतिशील नीतियों को देते हुए कहा कि इससे देश का कार्यबल मजबूत हुआ है। मांडविया ने अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की विश्व सामाजिक सुरक्षा रिपोर्ट 2024-26 का हवाला देते हुए सरकार की सामाजिक सुरक्षा पहल के प्रभाव का जिक्र किया। इसमें कहा गया है कि भारत का सामाजिक सुरक्षा 'कवरेज' 24.4 प्रतिशत से दोगुना होकर 48.8 प्रतिशत हो गया है। उन्होंने कहा कि ई-श्रम पोर्टल का विस्तार, 30.67 करोड़ से अधिक असंगठित श्रमिकों को कवर करना और पीएमजेएवाई (प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना) के तहत अस्थायी (गिग) श्रमिकों को शामिल करना, कार्यबल कल्याण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को बताता है। उन्होंने कहा कि सरकार ने ई-श्रम पोर्टल के तहत 12 प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं को भी एकीकृत किया है और यह पोर्टल 22 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है।

टेस्ला इंक मुंबई में खोलेगा पहला शोरूम

- 35 लाख होगा ऑ फिस का मंथली किराया

मुंबई ।

एलन मस्क की कंपनी टेस्ला इंक ने भारत में अपना पहला शोरूम मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में लीज पर लिया है। इस डील के अनुसार, 881 प्रति वर्ग फुट के रिकॉर्ड किराये पर लीज हुआ, जिसे अब तक का सबसे महंगा माना जा रहा है। टेस्ला ने 2.11 करोड़ रुपए का सिक्योरिटी डिपॉजिट जमा करवाया है और हर महीने 35.26 लाख रुपए किराया देना होगा, जिसमें सालाना 5 फीसदी बढ़ोतरी होगी। इस लीज एग्रीमेंट में 5 साल का दीर्घकालिक कार्यकाल भी है। देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग को देखते हुए, टेस्ला भारतीय बाज़ार में एंट्री करने की योजना बना रहा है। ईस्टर्न हरायाणा स्थित गाँधीधाम मंदिर में नवद्वारका वंदना यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस यात्रा में कन्या दान एवं रिवल्वर के नरमुंदी नामक कार्यालय के भवन एवं समाजशास्त्र परिषद स्थित लुदियाना के प्रदेश सभा के भवन की तीन ओर वातावरण से एकदम तत्काल निर्माण के न्यायाधीश या जुन नापलियाल के स्थानीय प्रतिनिधि होंगे। यह अभियान की प्रारंभिक रात्रि जारी है। अभियान के अंतिम चरण में 108 नवद्वारका वंदना मेला 10 मार्च को वंदना गांधीधाम आएगा।

गुजरात में सेमीकंडक्टर क्षेत्र में 15,000 करोड़ निवेश के एमओयू पर हस्ताक्षर

गांधीनगर ।

गुजरात की राजधानी में आयोजित सेमीकंडक्टर सम्मेलन के पहले दिन विदेशी कंपनियों के प्रस्तावों समेत करीब 15,000 करोड़ रुपये के निवेश की संभावना वाले समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। राज्य सरकार के अधिकारी ने बताया कि नेक्स्टजेन समेत कई कंपनियों ने भावी निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। समझौतों में एक संयंत्र की स्थापना के लिए विदेशी कंपनियों ने अच्छे निर्णय लिए हैं। गुजरात सरकार की प्रमुख ने सम्मेलन की महत्वपूर्णता को जताया। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में नए निवेश से कई रोजगार के अवसर उस्मानी हैं। इस पहलु का उज्जवल भविष्य का निर्माण होगा। गुजरात को एक नई ऊर्जा से समृद्धि की दिशा में कदम बढ़ाने का संकल्प मजबूती से दिखाई दे रहा है। एक सरकारी विज्ञप्ति के मुताबिक, सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में कौशल वृद्धि के लिए टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), गांधीनगर के बीच एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

अहमदाबाद जिले के धोलेरा शहर में भारतीय कंपनी की आगामी सेमीकंडक्टर चिप विनिर्माण इकाई के लिए टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और ताइवानी फर्मों पीएसएमसी एवं हाइमैक्स टेक्नोलॉजीज के बीच एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। बयान के मुताबिक गुजरात में 500 करोड़ रुपये के निवेश से एक नई इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सेवा (ईएमएस) इकाई लगाने के लिए ताइवान सरफेस माउंटिंग टेक्नोलॉजी (टीएसएमटी) के साथ एक और समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस निवेश से करीब 1,000 नए रोजगार सृजित होंगे।

सीबीआई ने जय कारपोरेशन एवं उसके निदेशक पर एफआईआर दर्ज की

नई दिल्ली ।

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने जय कॉरपोरेशन की जांच करते हुए वर्ष 2006-08 के दौरान एक कथित दुरुपयोग का पता लगाया है। उन्होंने जय कॉरपोरेशन और इसके निदेशक आनंद जयकुमार जैन के खिलाफ 2,434 करोड़ रुपए के एफआईआर की प्रक्रिया शुरू की है। इसके पीछे की कहानी वह है जब कर्मचारी शोएब रिची सेक्केरिया ने शिकायत की थी कि देश में रियल एस्टेट कारोबार के उद्देश्य से जनता से धन जुटाया गया था। सेक्केरिया के अनुसार इस जुटाए गए धन का दुरुपयोग करके कंपनी ने कम्पनियों की स्थापना की, तेल कम्पनी के वायदे और विकल्पों में धोखाधड़ीपूर्ण गतिविधियां की। सीबीआई ने बॉम्बे उच्च न्यायालय के आदेश पर इस मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल गठित किया है। इस मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए, सीबीआई ने इसे गंभीरता से लेने का निर्णय लिया है और जल्द ही जाँच की पूर्णता सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा। सीबीआई ने भी सावधानी बरतने की अपील की है और यह साफ कर दिया है कि किसी भी अवैध गतिविधि को नहीं छोड़ा जाएगा।

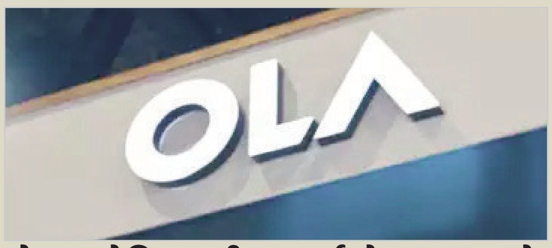

ओला इलेक्ट्रिक पीएलआई प्रोत्साहन पाने वाली पहली दोपहिया ईवी विनिर्माता बनी

नई दिल्ली ।

भारत की शीर्ष इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) कंपनी, ओला इलेक्ट्रिक वाहन, ने पीएलआई-वाहन योजना के अधीन एक प्रोत्साहन प्राप्त करते हुए देश की पहली दोपहिया ईवी विनिर्माता बन गई है। यह कंपनी वित्त वर्ष 2023-24 के लिए कुल 73.74 करोड़ रुपए का प्रोत्साहन प्राप्त करने का गर्व अनुभव कर रही है। पीएलआई-वाहन योजना के उद्देश्य का उल्लेख करते हुए, ओला इलेक्ट्रिक वाहन ने इसके तहत घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और स्वच्छ, उन्नत, और टिकाऊ परिवहन समाधानों की स्वीकार्यता को बढ़ाने का उद्देश्य दिखाया है। ओला इलेक्ट्रिक की पात्रता भारत की ईवी क्रांति में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देती है। पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी के तौर पर स्वीकृति मिलने के बाद, ओला इलेक्ट्रिक टेक्नोलॉजीज अब आगे बढ़ने के लिए तत्पर है। इस प्रोत्साहन के साथ उसे वित्त वर्ष 2023-24 के निर्धारित बिक्री मूल्य के लिए समर्थन प्राप्त हो गया है, जो कंपनी के विस्तार और उत्कृष्ट उत्पादन की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। पीएलआई-वाहन योजना के कारण, पंचायती वाहनों में ईवी तकनीक का प्रचार होने की संभावना है, जिससे देश एक सुरक्षित, पर्यावरण-सौहार्दपूर्ण, और विकसित परिवहन समाधान की ओर आगे बढ़ सकता है।

भारत से अमेरिका में इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात बढ़ा

नई दिल्ली । भारत से अमेरिका में इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात जनवरी, 2025 में सालाना आधार पर 18 फीसदी बढ़कर 1.62 अरब डॉलर पर पहुंच गया। यह आंकड़ा बताता है कि भारत का इंजीनियरिंग निर्यात मामूली रूप से बढ़ा है। इंजीनियरिंग निर्यात संवर्द्धन परिषद (ईईपीसी) के जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, अमेरिका को इंजीनियरिंग निर्यात एक साल पहले के 14.38 अरब डॉलर से 15.60 अरब डॉलर पहुंच गया। जीते देश यूएई को भी निर्यात में वृद्धि देखने को मिली। भारत के इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात जर्मनी, मेक्सिको, तुर्की, दक्षिण अफ्रीका, फ्रांस, जापान, नेपाल और बांग्लादेश में बढ़ा है, जबकि यूके, सऊदी अरब, मलयेशिया, चीन, इटली और स्पेन में गिरावट देखने को मिली। ईईपीसी ने बताया कि भारत के इंजीनियरिंग निर्यात में वृद्धि के बावजूद जनवरी में वृद्धि में कमी आई है। उन्होंने भी कहा कि भारत का इंजीनियरिंग निर्यात लगातार नौवें महीने सकारात्मक वृद्धि दर्ज कर रहा है।

सेवा क्षेत्र 26 महीने के निचले स्तर से उबरा

नई दिल्ली । घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों से नए ऑर्डर मिलने से देश का सेवा क्षेत्र फरवरी, 2025 में 26 महीने के निचले स्तर से उबर गया। उत्पादन में तेज विस्तार और रोजगार में पर्याप्त वृद्धि से सेवा क्षेत्र की गतिविधियां बढ़कर 59 पहुंच गईं। एचएसबीसी भारत सेवा पीएमआई व्यापार गतिविधि सूचकांक जनवरी में 26 महीने के निचले स्तर 56.5 तक आ गया था। एचएसबीसी की एक मुख्य भारत अर्थशास्त्री ने कहा, छह महीनों में सबसे तेज गति से बढ़ी वैश्विक मांग ने भारत के सेवा क्षेत्र के लिए उत्पादन की रफ्तार को बढ़ाने में प्रमुख भूमिका निभाई। सेवा क्षेत्र की कंपनियों को अफ्रीका, एशिया, यूरोप, अमेरिका और मध्य एशिया से अधिक ऑर्डर मिले। सेवा क्षेत्र की कंपनियों ने बढ़ते नए कारोबार को संभालने और क्षमता दबाव को कम करने के लिए भर्ती अभियान जारी रखा। रोजगार में दिसंबर, 2005 के बाद से यानी 20 साल में सबसे तेज वृद्धि देखने को मिली।

शेयर बाजार में गिरावट से निवेशक सहमे, सेबी के नये नियमों का असर

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में हाल ही में गिरावट की वजह से निवेशक बहुत सहमे हुए हैं। इस गिरावट के चलते शेयर बाजार में तेजी कम हो गई है। जनवरी और फरवरी महीने में कैश और डेरिवेटिव्स उभरते शेगमेंट में पिछले साल की तुलना में 25 फीसदी तक की गिरावट आई है। इसके मुख्य कारणों में से एक है बाजार का धीमा प्रदर्शन और दूसरा है सेबी के नए नियम। कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज की एक रिपोर्ट के अनुसार एफएंडओ सेगमेंट में कॉन्ट्रैक्ट साइज बढ़ने से छोटे निवेशकों की डैली ट्रेडिंग कम हो गई है जबकि बड़े निवेशकों के लिए एक्सपायरी के दिन मार्जिन में भारी बढ़ोतरी ने मुश्किलें बढ़ा दी हैं। सेबी ने डेरिवेटिव्स ट्रेडिंग के लिए नए नियम बनाने का विचार किया जा रहा है, लेकिन रिपोर्ट के मुताबिक ये नए नियम ट्रेडिंग वॉल्यूम पर ज्यादा असर नहीं डालेंगे। रिपोर्ट में इस आंकड़े का खुलासा किया गया है कि रिटेल निवेशकों के लिए एफएंडओ के ज्यादातर नियम लागू हो चुके हैं, जिससे रिटेल प्रीमियम टर्नओवर और सक्रिय रिटेल ट्रेडर्स में लगभग 20 फीसदी की गिरावट आई है। रिपोर्ट दरअसल संकेत कर रही है कि वॉल्यूम में गिरावट पहले से ही दिख रही है और इसके दूसरे प्रभाव अगले 6-12 महीनों में ज्ञात होंगे। इसके बावजूद, नियमों को और सख्त करने की संभावना कम है। कैश मार्केट में भी सुस्ती छाई हुई है और रिटेल वॉल्यूम, एक्टिव ट्रेडर्स और मार्जिन लोन में गिरावट दिख रही है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंदसेंसेक्स 610 अंक, निफ्टी 207 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के मेक्सिको और कनाडा के खिलाफ ऑटोमोबाइल पर लगाये टैरिफ को एक महीने के लिए टालने से भी दुनिया भर के बाजारों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। इसका घरेलू बाजार पर भी अच्छा प्रभाव पड़ा है।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स सुबह बढ़त के साथ ही 74,308 पर खुला , पर इसके बाद इसमें गिरावट आने लगी पर अंत में सेंसेक्स 609.86 अंक करीब 0.83 फीसदी बढ़कर 74,340.09 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी तेजी के साथ ही 22,476 पर खुला। अंत में निफ्टी 207.40 अंक तकरीबन 0.93 फीसदी उछलकर 22,544.70 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में एशियन पेंट 5 फीसदी तेजी के साथ बंद हुआ। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज, एनटीपीसी, हिन्दुस्तान यूनिलीवर, बजाज फिनसर्व, टाटा स्टील, सनफार्मा, एक्सिस बैंक, अदाणी पोर्ट्स, टाइटन, टीसीएस, बजाज फाइनेंस और एचसीएल टेक के शेयर भी ऊपर आये।

वहीं दूसरी ओर टेक महिंद्रा का शयर 2 फीससदी से ज्यादा नीचे आया। इसके अलावा कोटक बैंक, जोमैटो, इंडसइंड बैंक, टाटा मोटर्स और एसबीआई के शेयर भी गिरावट पर बंद हुए।

बाजा में ये तेजी अमेरिकी सरकार के मेक्सिको और कनाडा के ऑटोमोबाइल पर टैरिफ को एक महीने के लिए टालने के अलावा मांग में कमी और चीन के आर्थिक प्रोत्साहन पैकेज से कच्चे तेल की कीमतों में कमी आई। इससे एनर्जी और मेटल सेक्टर के शेयरों में जोरदार तेजी रही। लिक्विडिटी की स्थिति में सुधार के कारण हेवीवेट बैंकिंग और उपभोग स्टॉक्स में तेजी से भी बाजार ऊपर आया।

निवेशकों को दो दिनों में 12 लाख करोड़ रुपये का लाभ

बाजार में बुधवार और गुरुवार को आई तेजी से निवेशकों की संपत्ति करीब 12 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकर 397,12,330 करोड़ रुपये पर पहुंच गया जबकि पहले ये 385,59,355 करोड़ रुपये था। इस तरह से निवेशकों की संपत्ति पिछले दो कारोबारी सत्र में 11,52,975 करोड़ रुपये बढ़ी। वहीं गत दिवस बुधवार को भी बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था।

अडानी ग्रुप के शेयरों में आई तेजी, 10.59 फीसदी का आया उछाल

मुंबई ।

अडानी ग्रुप के शेयरों में बुधवार को तूफानी तेजी आई। पोर्ट्स से लेकर एनर्जी तक कारोबार करने वाले कारोबारी समूह के सभी शेयरों में उछाल देखने को मिला। इस तेजी का नेतृत्व अडानी ग्रीन एनर्जी की ओर से किया गया। अडानी ग्रुप की रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी का शेयर 81.40 रुपए या 10.59 फीसदी बढ़त के साथ 849.95 रुपए पर बंद हुआ था। कारोबार में अडानी ग्रीन एनर्जी के शेयर ने 857.90 रुपए के उच्चतम स्तर और 769 रुपए के न्यूनतम स्तर को छुआ।

अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस का शेयर 60.35 रुपए या 9.33 फीसदी की तेजी के साथ 707 रुपए पर बंद हुआ था। कारोबारी सत्र में शेयर ने 731.50 रुपए के उच्चतम स्तर और 646 रुपए के न्यूनतम स्तर को छुआ। अडानी टोटल गैस का शेयर 35.05 रुपए या 6.41 फीसदी की बढ़त के साथ 582.20 पर बंद हुआ। दिन में शेयर ने 600 रुपए का उच्चतम स्तर और 544.35 रुपए का न्यूनतम स्तर बनाया। इसके अलावा अडानी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर 97.20 रुपए या 4.53 फीसदी चढ़कर 2,242 रुपए पर बंद हुआ था। वहीं, अडानी पोर्ट्स का शेयर 54.50 रुपए या 5.15 फीसदी बढ़कर 1,112.45 रुपए और अडानी पावर का शेयर 19.10 रुपए या 3.95 फीसदी की तेजी के साथ 502.35 रुपए पर बंद हुआ।

ग्रुप की सीमेंट कंपनी अंबुजा सीमेंट्स का शेयर 14.60 रुपए या 3.07 फीसदी से बढ़कर 489.60 रुपए पर बंद हुआ। 10 कारोबारी सत्रों की गिरावट के बाद भारतीय बाजार भी बुधवार को हरे निशान पर बंद हुआ। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 740 अंक या 1.01 फीसदी की तेजी के साथ 73,730 और निफ्टी 254 अंक या 1.15 फीसदी की बढ़त के साथ 22,337 पर था। बाजार में तेजी के कारण बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का मार्केटकैप 9 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 393 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो मंगलवार को 384 लाख करोड़ रुपए था।

विदेशी निवेशकों की भारतीय बाजार में संपत्ति घटी, लेकिन हिस्सेदारी बढ़ी

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार में लगातार गिरावट और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआईएस) की भारी बिकवाली से एफआईआईएस की भारतीय बाजार में कुल संपत्ति फरवरी 2025 में 13 महीने के निचले स्तर पर आ गई। एफआईआईएस की कुल एयूसी फरवरी में घटकर 62.38 लाख करोड़ रुपए रह गई, जो जनवरी 2024 के बाद का सबसे कम स्तर है। यह सितंबर 2024 में बने 77.96 लाख करोड़ रुपए के उच्चतम स्तर से 15.58 लाख करोड़ रुपए की भारी गिरावट को दर्शाता है। हालांकि, भारी बिकवाली के बावजूद, फरवरी में एफआईआईएस की भारतीय शेयर बाजार में हिस्सेदारी बढ़कर 16.24 फीसदी हो गई, जो पिछले पांच महीनों में सबसे ज्यादा है। जनवरी में यह आंकड़ा 15.98 फीसदी था, जो आखिरी बार सितंबर 2024 में देखने को मिला था। भारतीय शेयर बाजार पर विदेशी संस्थागत निवेशकोंकी भारी बिकवाली का दबाव बना हुआ है। जनवरी 2025 में एफआईआईएस ने 78,027 करोड़ रुपए के शेयर बेचे, जबकि फरवरी 2025 में यह आंकड़ा 34,574 करोड़ रुपए रहा।

भारत और न्यूजीलैंड मैच में बारिश हो गई तो कौन होगा विजेता? जानें आईसीसी के नए रूल

दुबई (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल मुकाबला भारत और न्यूजीलैंड में दुबई के मैदान पर 9 मार्च को निश्चित है। भारतीय टीम ग्रुप स्टेज में न्यूजीलैंड को हरा चुकी है। लेकिन न्यूजीलैंड ने टूर्नामेंट में जिस तरह प्रदर्शन किया है उससे फाइनल और भी रोमांचक हो गया है। न्यूजीलैंड ने बीते दिन ही चैंपियंस ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 50 रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। लेकिन क्या हो अगर फाइनल का दिन बारिश की भेंट चढ़ जाए तो। अगर बारिश से मैच प्रभावित हुआ तो आईसीसी का नियम क्या होगा। आइए जानते हैं-

क्रिकेट मैच में बारिश का आना स्वभाविक है। लेकिन यह बड़े मुकाबले धो दे। ऐसा बहुत कम हुआ है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए विशेष नियमों का ध्यान रखा है। आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भी एक दिन रिजर्व रखा है। यदि 9 मार्च की निर्धारित तिथि पर बारिश के कारण खेल बाधित होता है, तो मैच अगले दिन फिर से शुरू किया जाएगा।

वैसे भी अगर वेदर रिपोर्ट देखी जाए तो 9 मार्च को दुबई में हलके बादल छाए रहने की उम्मीद है। अधिकतम तापमान 32 तो न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है।

क्रिकेट फैंस को याद है कि चैंपियंस ट्रॉफी 2002 का फाइनल मुकाबला दो बार बारिश के कारण प्रभावित रहा था। उक्त मुकाबला भारत और श्रीलंका की टीमों के बीच खेला गया था। उस समय रिजर्व डे का इतना प्रचलन नहीं था लेकिन जब फाइनल में रिजर्व डे लेकर मैच करवाया गया तो उस दिन इंद्र देवता को आईसीसी मना नहीं सकी। लगातार दूसरे दिन बारिश हुई जिससे फाइनल पूरा नहीं करवाया जा सका।

पहले दिन श्रीलंका ने खेलते हुए 50 ओवरों में 5 विकेट खोकर 244 रन बनाए थे। जवाब में खेलने उतरी भारतीय टीम ने जब 2 ओवरों में बिना विकेट गंवाए 14 रन बना लिए थे तो बारिश आ गई। क्योंकि 15 ओवर पूरे नहीं हो पाए थे इसलिए मैच का नतीजा नहीं निकला।

दूसरे दिन दोबारा फाइनल मुकाबला करवाया गया। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी की ओर 7 विकेट पर 222 रन बनाए। जवाब में खेलने उतरी टीम इंडिया ने 84 ओवर में जब 1 विकेट खोकर 38 रन बना लिए थे तो फिर से बारिश आ गई। इसके बाद मैच शुरू नहीं हो पाया। आईसीसी ने इसके बाद दोनों टीमों को संयुक्त विजेता घोषित कर दिया। ऐसा आईसीसी के इतिहास में पहली बार हुआ था।

शुभमन बने एमआरएफ के ब्रांड एंबेसडर

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के उप-कप्तान शुभमन गिल अपने अच्छे प्रदर्शन के कारण लगातार आगे बढ़ रहे हैं। अब दिग्गज कंपनी एमआरएफ लिमिटेड ने शुभमन को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया है। ऐसे में वह भी एमआरएफ के स्टीकर लगे बल्ले से खेलते नजर आयेंगे। एमआरएफ ने एक बयान जारी कर कहा कि शुभमन गिल अब एमआरएफ ब्रांड से जुड़ने वाले विराट कोहली सहित अन्य प्रमुख क्रिकेटरों में शामिल हो गये हैं। उन्हें हाल ही में आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में नंबर एक बल्लेबाज के रूप में भी मान्यता मिली है। एमआरएफ ने कहा कि वह लंबे समय से क्रिकेट के विकास से जुड़ा रहा है और ऐसा आगे भी होता रहेगा। शुभमन की यह भागीदारी विराट के साथ कंपनी के पहले से जारी सहयोग के अतिरिक्त होगी। एमआरएफ लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के. एम. मैमन ने कहा, ''हम शुभमन गिल को एमआरएफ परिवार में शामिल करते हुए गर्व महसूस कर रहे हैं। उनका खेल प्रभावशाली है और वह जिस तरह क्रिकेट के सभी प्रारूपों में नेतृत्व कौशल दिखाते हैं, वह प्रेरणादायक है। उनकी इस लोकप्रियता का लाभ एमआरएफ को भी मिलेगा। वहीं शुभमन ने ब्रांड एंबेसडर बनाये जाने पर उत्साहित होकर कहा, ''एमआरएफ क्रिकेट में गुणवत्ता, प्रदर्शन और उत्कृष्टता का प्रतीक है। मैं भी उन क्रिकेटरों को देखकर बड़ा हुआ हूं जो एमआरएफ के बल्ले से जादू बिखेरते थे। इस विरासत का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। मैं इस साझेदारी के तहत ऐसी पारियां खेलना खेलने के प्रयास करुंगा जिससे भारतीय टीम शीर्ष पर बना रहे।।

बुमराह के नहीं होने से मुझपर है अधिक जिम्मेदारी : शमी

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन कर टीम को फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। शमी ने माना है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के नहीं होने से इस टूर्नामेंट में उनपर अधिक जिम्मेदारी है। इसी कारण उनका ध्यान अपनी लय कायम रखने ओर फिटनेस बनाये रखना रहा है। चोट से उबरकर वापसी कर रहे शमी ने बुमराह की गैर मौजूदगी में नये तेज गेंदबाजी हर्षित राणा और ऑलरांउडडर हार्दिक पांड्या के साथ नई गेंद संभाली। शमी ने अभी तक टूर्नामेंट में 8 विकेट लिए हैं।

उन्होंने फाइनल में पहुंचने पर कहा, 'मैं अपनी लय फिर हासिल करके टीम के लिए ज्यादा योगदान देने की कोशिश कर रहा हूं। दो विशेषज्ञ तेज गेंदबाज टीम में नहीं है और मेरे ऊपर ज्यादा जिम्मेदारी है। शमी ने कहा कि बुमराह की गैर मौजूदगी में उनका कार्यभार बढ़ गया है ऐसे में अपना सौ फीसदी से से ज्यादा योगदान देने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'जब आप अकेले मुख्य तेज गेंदबाज हैं और दूसरा ऑलराउंडर है तो तो कार्यभार रहता है। आपको विकेट के लिए मोर्चे से अगुआई करनी होती है। मुझे इसकी आदत हो गई है और मैं अपना सौ फीसदी से अधिक देने की कोशिश कर रहा हूं।

गौरतलब है कि शमी को विश्व कप 2023 के दौरान टखने में चोट लगी थी और वह लंबे ब्रेक पर रहे। उन्होंने कहा कि अब वह लंबे स्पैल फेंकने की जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि किसी को अपनी फिटनेस के बारे में बहुत ज्यादा सोचने की जरूरत है। हमें प्रयास करने होंगे और देखते हैं कि शरीर इसे कैसे लेता है।

शमी ने कहा, 'मैं अब लंबे स्पैल फेंकने के लिए तैयार हूं। छोटे स्पैल हमेशा आसान होते हैं और सीमित ओवरों के क्रिकेट में यह मायने नहीं रखता कि दस ओवर फेंकने हैं या छह ओवर। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात का भी फायदा मिला है कि भारतीय टीम सारे मैच दुबई में खेल रही है।

आईसीसी रैंकिंग में वरुण ने लंबी छलांग लगायी, रोहित पिछड़े

दुबई (एजेंसी)। भारतीय टीम के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष 100 खिलाड़ियों में पहुंच गये हैं। वरुण को आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन का लाभ मिला है और उन्होंने लंबी छलांग लगाते हुए 143 गेंदबाजों को पीछे छोड़ा है, वरुण के अलावा स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल भी रैंकिंग में ऊपर आये हैं। वहीं भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा कोई बड़ी पारी नहीं खेल पाने के कारण बल्लेबाजी रैंकिंग में पिछड़े हैं। वरुण 143 पायदान की छलांग लगाकर अब 97वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

वरुण ने चैम्पियस ट्रॉफी 2025 में अब तक 2 मैच खेले, जिसमें 7 विकेट लिए हैं। इन 7 विकेटों में से 5 विकेट एक ही मैच में लिए हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में यह 5 विकेट लिए थे जबकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 2 विकेट हासिल किए थे।दूसरी ओर बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल शीर्ष पर बरकरार हैं जबकि विराट कोहली को एक पायदान का फायदा हुआ है और वो चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। कप्तान रोहित शर्मा 2 पायदान नीचे आकर पांचवें नंबर पर फिसल गए हैं। विराट इस ने चैम्पियंस ट्रॉफी के 4 मैचों में 72.33 के दमदार औसत से 217 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद 100 रन बनाये थे।

रोहित की फॉर्म अच्छी नहीं रही है। उन्होंने अब तक 4 मैच खेले, जिसमें 26 के बेहद खराब औसत से 104 रन बनाए। शीर्ष -10 बल्लेबाजों में शुभमन, कोहली और रोहित के अलावा श्रेयस अय्यर भी शामिल हैं। श्रेयस एक पायदान ऊपर आकर 8वें नंबर पर आ गए हैं। दूसरी ओर ऑलराउंडरों की बात करें तो शीर्ष दस में केवल भारत के रविन्द्र जडेजा है। जडेजा को नौवां स्थान मिला है। वहीं भारतीय टीम के अक्षर 17 स्थान ऊपर आकर 13वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

न्यूजीलैंड दौरे पर आकिब ही रहेंगे मुख्य कोच : पीसीबी

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसबी) ने पूर्व तेज गेंदबाज आकिब जावेद को न्यूजीलैंड दौरे के लिए अंतरिम मुख्य कोच बनाया है। वहीं पूर्व कप्तान मोहम्मद युसूफ को बल्लेबाजी कोच बनाया गया है। पाक टीम अपने न्यूजीलैंड दौरे में सीमित ओवरों की एक सीरीज खेलेगी। इसी को लेकर पीसीबी के एक अधिकारी ने कहा कि चैम्पियंस ट्रॉफी और न्यूजीलैंड दौरे के बीच समय कम होने के कारण आकिब को ही मुख्य कोच की जिम्मेदारी दी गयी है। वहीं, 'पीसीबी ने इस बीच नये मुख्य कोच को तलाशने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। पिछले साल पीसीबी ने जैसन गिलेस्पी को टेस्ट और गैरी कर्स्टन को सीमित ओवरों के प्रारूप में कोच बनाया था पर दोनों के साथ ही बोर्ड अधिकारियों के मतभेद हो गये थे। ऐसे में इन दोनो ने ही पद छोड़ दिया था। उसके बाद से ही पाक टीम के पास कोई पूर्ण कालिक कोच नहीं है। इसी कारण आकिब को सफेद गेंद की टीम का अंतरिम मुख्य कोच बनाया गया और दक्षिण अफ्रीका तथा वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीजो में वह टेस्ट टीम के भी मुख्य कोच भी रहे। वह तीन देशों की सीरीज और चैम्पियंस ट्रॉफी में भी टीम के कोच थे पर सभी में पाक को हार का सामना करना पड़ा।

चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल में भारत और न्यूजीलैंड के बीच रोमांचक मुकाबल होना तय

दुबई । आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में रविवार को भारतीय टीम का मुकाबला न्यूजीलैंड से होगा। भारतीय टीम ने अपने सेमीफाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया। वहीं न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका का हराया है। रविवार को अब रोमांचक मुकाबले के आसार हैं क्योंकि भारतीय टीम ने अपने अंतिम लीग मैच में न्यूजीलैंड को हराया था जिससे उसका पलड़ा भारी है। इस मैच में कीवी टीम के बल्लेबाजों के लिए भारतीय स्पिनरों का सामना करना आसान नहीं रहेगा। दूसरे सेमीफाइनल में हार से एक बार फिर दक्षिण अफ्रीकी टीम का आईसीसी खिताब जीतने का सपना टूट गया है। इस साफ है कि दक्षिण अफ्रीकी टीम दबाव के सामने बिखर जाती है। भारतीय टीम ने पहले सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 4 विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया है।

मिलर चैंपियंस ट्रॉफी में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बने

लाहौर । दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में अपनी आक्रामक शतकीय पारी से एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। मिलर ने इस मुकाबले में 67 गेंदों पर ही शतक लगा दिया। इसी के साथ ही वह चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने इसके साथ ही वीरेंद्र सहवाग को भी पीछे छोड़ दिया है। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में इससे पहले सबसे तेज शतक का रिकार्ड भारतीय टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के नाम था। सहवाग ने साल 2002 में इंग्लैंड के खिलाफ केवल 77 गेंदों में ही शतक लगा दिया था। वही इंग्लैंड के जोश इंग्लिश ने भी इसी बार 77 गेंदों में शतक लगाया। इसके अलावा 80 गेंदों में शतक का रिकार्ड भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन के नाम है। धवन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ साल 2013 में शतक लगाया था। आईसीसी नॉकआउट में मिलर का पहले से प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। साल 2013 में उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 56 रन बनाए थे। इसके बाद 2015 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 49 रन बनाये। साल 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने 101 रन बनाए थे।

लक्ष्य का पीछा करने में विराट का जवाब नहीं : क्लार्क

दुबई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर प्रशंसा की है। क्लार्कने कहा कि लक्ष्य का पीछा करने में विराट सबसे बेहतर बल्लेबाज हैं। क्लार्क ने कहा कि जिस प्रकार उन्होंने लक्ष्य का पीछा करते हुए अपनी टीम सेमीफाइनल में जीत दिलायी। उससे ये बात फिर साबित होती है। क्लार्क ने विराट को अब तक का सबसे महान एकदिवसीय क्रिकेटर करार दिया। कोहली आईसीसी नॉकआउट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा करने के लिए क्रीज पर उतरे पर उन्होंने अपने बेहतरीन स्ट्रोक प्ले और स्ट्राइक रोटेशन के जरिये आसानी से टीम को जीत के करीब पहुंचा दिया।

क्लार्क ने कहा, एक बार फिर, उन्होंने हालातों का शानदार तरीके से आंकलन किया। उन्हें पता था कि उनकी टीम को क्या चाहिए और किस प्रकार मैच अपने नियंत्रण में लेना। इससे पहले पाकिस्तान के खिलाफ उन्होंने शानदार शतक लगाकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस बल्लेबाज के पास हर शॉट है और वह किसी भी गेंद को सीमा रेखा से बाहर कर सकते हैं। मेरी राय में, वह अब तक के सबसे महान एकदिवसीय क्रिकेटर हैं, और वह सबसे बड़े मंच पर, सबसे ज्यादा दबाव में भी इसे साबित करते रहते हैं। उन्हें पता है कि क्या करना है, और जब सबसे ज्यादा जरूरत होती है, तो वह अच्छा प्रदर्शन करते हैं।पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने श्रेयस अय्यर की भी तारीफ की।उन्होंने कहा, तब भारतीय टीम को एक साझेदारी की आवश्यकता थी क्योंकि दुबई की स्पिन-अनुकूल पिचों पर और अधिक विकेट गिरने से टीम ढ़ह सकती थी। ऐसे में अय्यर एक छोर पर कोहली के साथ टिके रहे।।

उन्होंने कहा, श्रेयस ने वाकई बहुत अच्छा खेला। उनके पास आक्रामक दृष्टिकोण और शानदार इरादे हैं और वे हमेशा अपने शॉट्स खेलने की कोशिश करते हैं, जिससे उनके बल्लेबाजी साथी पर से दबाव कम हो जाता है। वे और विराट एक दूसरे के पूरक बनकर उभरे हैं। विराट के अनुभव के कारण वे जरूरत पड़ने पर श्रेयस का मार्गदर्शन कर सकते हैं और उन्हें संयमित रख सकते हैं। उनकी साझेदारी मैच जीतने वाली थी, इसमें कोई संदेह नहीं है।

ऑस्ट्रेलिया के महान टेनिस खिलाड़ी फ्रेड स्टोल का निधन

मेलबर्न । दो बार के ग्रैंड स्लैम एकल विजेता और ऑस्ट्रेलिया की तीन बार डेविस कप जीतने वाली टीमों का हिस्सा रहे फ्रेड स्टोल का निधन हो गया है। टेनिस ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को यह जानकारी दी। वह 86 वर्ष के थे। टेनिस ऑस्ट्रेलिया के सीईओ क्रेग टिली ने स्टोल को टेनिस में एक खिलाड़ी के रूप में और बाद में ऑस्ट्रेलिया के नाइन नेटवर्क तथा सीबीएस और फॉक्स स्पोर्ट्स के लिए एक कमेंटेटर के रूप में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति बताया। टिली ने निधन का कारण नहीं बताया। टिली ने कहा, 'उनकी विरासत उत्कृष्टता, समर्पण और टेनिस के प्रति गहरा प्रेम है। ऑस्ट्रेलिया की डेविस कप टीम के स्टार सदस्य, फ्रेड ने एक कोच और चतुर टिप्पणीकार के रूप में अपने शानदार करियर से खेल में महत्वपूर्ण योगदान दिया।' स्टोल ने 1965 में फ्रेंच ओपन और 1966 में अमेरिकी ओपन का एकल खिताब जीता था। इसके बाद वह विश्व रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंच गए थे। उन्होंने ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिताओं में 10 पुरुष युगल और सात मिश्रित युगल भी जीते।

ग्रुप चरण में भारत से हार अतीत की बात, फाइनल एक नया दिन होगा: डेरिल मिशेल

दुबई (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के मध्यक्रम बल्लेबाज डेरिल मिशेल ने कहा कि ग्रुप चरण में भारत से हार अतीत की बात है और फाइनल एक नया दिन होगा। न्यूजीलैंड ने लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पाकिस्तान को 50 रन से हराकर चैम्पियंस ट्रॉफी के फाइनल में प्रवेश किया जहां उसका मुकाबला रविवार 9 मार्च 2025 को भारत से होगा।

उन्होंने कहा, 'फाइनल एक नया मैच होगा और हम वास्तव में इस चुनौती का सामना करने और परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने को लेकर उत्साहित हैं। उम्मीद है कि हम उन पर दबाव बनाने में सफल रहेंगे।% मिशेल इस बहस में नहीं पड़ना चाहते हैं कि भारत को एक ही स्थान पर खेलने का फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा, 'यही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की प्रकृति है। हमने काफी यात्रा की है और हम इसके आदी हो चुके हैं। टूर्नामेंट का कार्यक्रम तैयार करना मेरा काम नहीं है। मैं अभी आईसीसी प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचने पर रोमांचित हूं और अगला मैच खेलने के लिए उत्साहित हूं।' गौर हो कि आईसीसी टूर्नामेंट्स में दक्षिण अफ्रीका की बुरी किस्मत अभी भी जारी है। टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल में पहुंची दक्षिण अफ्रीका की टीम चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में नहीं पहुंच पाई। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में उनकी टीम को 50 रनों से झेलनी पड़ी। सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड ने पहले खेलते हुए रचिन रविंद्र (108) और केन विलियमसन (102) के शतक की बदौलत 362 रन बनाए थे। द. अफ्रीकी गेंदबाज लुंगी एनगिडी को 3 तो कगिसो रबाडा को 2 विकेट मिले। जवाब में खेलने उतरी दक्षिण अफ्रीका को बावुमा और रासी वेन दूसें ने अर्धशतक लगाकर अच्छी शुरूआत दी लेकिन मध्यक्रम बिखर जाने के कारण पूरी टीम 9 विकेट पर 312 रन ही बना पाई। दक्षिण अफ्रीका के लिए एक आकर्षण डेविड मिलर की पारी रही। उन्होंने 100 रन बनाए लेकिन टीम को जीत नहीं दिला पाए।

बांग्लादेश के विकेटकीपर बल्लेबाज मुशफिकुर ने संन्यास लिया

ढ़ाका । बांग्लादेश के विकेटकीपर बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के खराब प्रदर्शन के बाद एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। मुशफिकुर ने अपने संन्यास की घोषणा सोशल मीडिया पर की है। मुशफिकुर ने बांग्लादेश की टीम के सालाना अनुबंधों की घोषणा के ठीक बाद ही खेल को अलविदा कह दिया। इसी के साथ ही उनका दो दशक का करियर समाप्त हो गया। इस क्रिकेटर ने अपनी पोस्ट में लिखा, मैं आज से एकदिवसीय प्रारुप से संन्यास की घोषणा कर रहा हूं। साथ ही लिखा कि भले ही वैश्विक स्तर पर हमारी उपलब्धियां सीमित रही पर एक बात तो तय है- जब भी मैं अपने देश के लिए मैदान पर उतरा, मैंने समर्पण और पूरी ईमानदारी के साथ अपन पूरा योगदान दिया। इस टूर्नामेंट में मुशफिकुर के अलावा पूरी टीम का प्रदर्शन भी खराब रहा है।

इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा, पिछले कुछ सप्ताह मेरे लिए बहुत कठिन रहे हैं और मुझे एहसास हो गया है कि यही मेरी नियति है। मुशफिकुर ने साल 2006 में जिम्बाब्वे के खिलाफ अपना एकदिवसीय प्रारुप में डेब्यू किया था। अब वह इस प्रारूप में सबसे अधिक मैच खेलने वाले बांग्लादेशी खिलाड़ी बन गये हैं। उन्होंने 274 मैचों में 36.42 की औसत से 7,795 रन बनाए हैं, जिसमें 144 रन उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इसक अलावा उनके नाम नौ शतक भी हैं। उन्होंने 243 कैच लिए और 56 स्टंपिंग भी की हैं।

चैम्पियंस ट्रॉफी में मिली हार से तीन कप्तानों पर गाज गिरी

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट में इस बार टीम की हार के कारण एक नहीं तीन-तीन कप्तानों का करियर खराब हो गया। सबसे पहले इसमें मेजबान टीम पाकिस्तान का आता है। भारतीय टीम के हाथों मिली करारी हार के बाद उसके कप्तान मोहम्मद रिजवान को टीम से बाहर कर दिया गया। पाक टीम का प्रदर्शन टूर्नामेंट में बेहद खराब रहा और वह एक मैच भी नहीं जीत पायी। वहीं दूसरी गाज इंग्लैड के कप्तान जोस बटलर पर गिरी। बटलर को भी टीम के खराब प्रदर्शन के कारण पद गंवाना पड़ा। इंग्लैड टीम का प्रदर्शन भी टूर्नामेंट में खराब रहा। वहीं तीसरे कप्तान ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ को तो एकदिवसीय प्रारुप से ही संन्यास लेना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया की टीम को भारतीय टीम के खिलाफ सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा था।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) रिजवान से इस कदर नाराज हुआ कि टी20 टीम से ही बाहर कर दिया। उनकी जगह न्यूजीलैड दौरे पर टी20 का कप्तान सलमान आगा को बनाया गया है। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले भारत के दौरे पर आई इंग्लैंड की टीम को एकदिवीसय सीरीज में सभी मैचों में हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद टीम की तरफ से बयान में कहा गया था कि वो भारत में हार से दुखी नहीं क्योंकि भारतीय टीम को चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में हराना चाहते हैं पर वहां भी जब टीम की हालत खराब रही और उसे अफगानिस्तान की टीम से भी हार मिल तो बटलर की के पास पद छोड़ने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा था। इसी प्रकार की स्थिति ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्मिथ की रही। वह सेमीफाइनल में मिली हार से बेहद निराश देखे और उन्होंने संन्यास का ही ऐलान करना ठीक समझा।

मेघा बरसेंगे में शॉकिंग अवतार में लौटे किंशुक महाजन

टीवी शो मेघा बरसेंगे में किंशुक महाजन अब एक नए और शॉकिंग अवतार में नजर आएंगे। इस शो में कभी चालाक और बेहद खतरनाक रहे मनोज में अब एक बच्चे की मानसिकता वाला व्यक्ति नजर आ रहा है। लेकिन क्या मेघा इस बात को अपना पाएंगी या नहीं।

क्या वाकई में बदल गया है मनोज

मेघा बरसेंगे में एक चालाक खलनायक रहे मनोज अब पूरी तरह से बदले नजर आए। मनोज के स्वभाव में अब बिल्कुल एक बच्चे की मानसिकता वाला व्यक्ति नजर आ रहा है। लेकिन मोनज के स्वभाव में यह बदलाब मेघा (नेहा राणा) और अर्जुन (नील भट्ट) के लिए एक नई चुनौती लेकर आती है, जो उनके नाजुक रिश्ते को और भी जटिल बना देती है। मेघा, जो पहले मनोज की याददाश्त खोने की बात पर शक करती है, लेकिन फिर धीरे-धीरे समझ जाती है कि मनोज अब सचमुच बदल गया है। लेकिन जब मेघा, मनोज की मासूमियत का इस्तेमाल अर्जुन को जलाने के लिए करती है, तो क्या वह अब सब कुछ खो देगी, जो उसके लिए अनमोल है?

किंशुक महाजन

इस शो में अपने कमबैक के बारे में किंशुक महाजन ने कहा, अभिनेताओं को एक ही शो में अलग तरह के दो किरदार निभाने का मौका शायद ही मिलता होगा। एक खलनायक से लेकर एक ऐसे व्यक्ति तक का सफर, जिसका दिमाग बचपन में अटक गया हो। मेरे लिए यह नया अवतार रोमांचक और चुनौतीपूर्ण दोनों ही है। आगे किंशुक ने कहा, यह सिर्फ एक किरदार का बदलाव नहीं है बल्कि यह एक बिल्कुल नया किरदार है, जिसके लिए एक अलग सोच, ऊर्जा और समझ की जरूरत है। मनोज के किरदार में मैंने वास्तविक जीवन के केस स्टडीज देखी, ताकि मैं समझ सकूं कि भावनात्मक रूप से समय में ठहर जाना क्या होता है।

अपने किरदार मनोज के बारे में किंशुक की राय

किंशुक ने कहा, मुझे सबसे ज्यादा उत्साह इस बात का है कि मनोज एक अप्रत्याशित किरदार है। मुझे यकीन है कि मनोज की वापसी कहानी को अनोखा रूप देगी। मुझे उम्मीद है कि दर्शक शो के इस नए अवतार को उतना ही पसंद करेंगे, जितना मुझे इसे निभाने में आया। मेघा बरसेंगे एक ड्रामा सीरीज है, जिसका प्रीमियर 6 अगस्त 2024 को कलर्स टीवी पर हुआ था। सौरभ तिवारी द्वारा निर्मित इस शो में नेहा राणा, नील भट्ट और किंशुक महाजन महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। इस शो को आप हर रोज शाम सात बजे कलर्स पर देख सकते हैं।

लंबे एक्टिंग करियर के बाद भी साइड रोल देते हैं प्रोडक्शन हाउस

ज्योतिका ने हिंदी और साउथ दोनों ही लैंग्वेज की फिल्मों में एक्टिंग की है। हाल ही में ओटीटी पर स्ट्रीम हुई वेब सीरीज 'डिब्बा कार्टेल' में वह नजर आईं। इस वेब सीरीज में उनका रोल काफी चैलेंजिंग है। लेकिन अब तक के करियर में जो रोल उन्हें ऑफर हुए हैं, उससे उन्हें कहीं ना कहीं कुछ शिकायत भी है।

हीरो के सामने साइड रोल मिले

ज्योतिका ने हाल ही में बॉलीवुड बबल को दिए गए इंटरव्यू में बताया कि एक लंबे एक्टिंग करियर के बाद भी उन्हें जब बड़े फिल्म मेकर्स, प्रोडक्शन हाउस कोई रोल देते हैं तो वह हीरो के सामने साइड रोल जैसा होता है। यह बहुत ही खराब बात लगती है। ज्योतिका को समझ नहीं आता है कि ऐसे फिल्म मेकर्स करते क्यों हैं?

डिब्बा कार्टेल में उम्दा एक्टिंग

वेब सीरीज 'डिब्बा कार्टेल' में शबाना आजमी के साथ ज्योतिका को काम करने का मौका मिला है। यह सीरीज 28 फरवरी को ओटीटी पर स्ट्रीम हुई है। अपने रोल में ज्योतिका ने जान डाल दी है। लेकिन सीरीज से पहले शबाना ही नहीं चाहती थी कि ज्योतिका को रोल में लिया जाए। इस बात का खुलासा शबाना ने कुछ दिन पहले किया था।

शबाना ने बाद में एक्टिंग को सराहा

पिछले दिनों 'डिब्बा कार्टेल' के एक इवेंट में शबाना आजमी ने ज्योतिका से माफी मांगी। दरअसल, शबाना ने बताया कि वह दूसरी किसी एक्ट्रेस को ज्योतिका वाले रोल के लिए सजेस्ट कर रही थीं। लेकिन बाद में ज्योतिका की एक्टिंग देखकर वह उनकी कायल हो गईं। वेब सीरीज 'डब्बा कार्टेल' की बात की जाए है तो इसकी कहानी कुछ ऐसी महिलाओं के इर्द-गिर्द घूमती है जो एक ड्रग माफिया चला रही हैं, लेकिन आम लोग उन्हें सिर्फ टिफिन सर्विस देने वाली महिलाएं समझते हैं। इस शो में शबाना आजमी, ज्योतिका के अलावा शालिनी पांडे, अंजलि आनंद और निमिषा सजयन जैसी एक्ट्रेस भी नजर आएंगी।

अगले साल रिलीज होगी नानी स्टारर द पैराडाइज

निर्देशक श्रीकांत ओडेला की बहुप्रतीक्षित एक्शन-थ्रिलर 'द पैराडाइज' की रिलीज डेट सामने आ चुकी है। फिल्म में नेचुरल स्टार नानी मुख्य भूमिका में हैं। निर्माताओं ने फिल्म से जुड़े एक वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए बताया कि फिल्म अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी। निर्माताओं ने एक वीडियो के साथ बताया कि एक्शन फिल्म अगले साल 26 मार्च को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म 'द पैराडाइज' के निर्माताओं ने प्रशंसकों के साथ एक वीडियो भी शेयर किया, वीडियो की शुरुआत एक कमेंट्री से होती है। महिला की आवाज है। वह कहती है, हर किसी ने तोते और कबूतर के बारे में लिखा है। फिर भी किसी ने कौवों की कहानी लिखने की हिम्मत नहीं की। यह उन कौवों की कहानी है, जो उत्पीड़न का शिकार हुए। महिला आगे कहती है, युगों से भटकती बेचैनी की गाथा। एक ऐसी जाति की कहानी जिसे मां के स्तन में दूध की जगह खून मिला। एक चिंगारी ने पूरे समुदाय में वीरता की चिंगारी जलाई। कौवे, जो कभी तिरस्कृत थे, उन्होंने तलवारों को हाथ में थामा। यह मेरे बेटे की कहानी है, जिसने सबको एकजुट किया और नेता बनकर उभरा। टीजर से यह स्पष्ट होता है कि फिल्म समाज से बहिष्कृत एक उत्पीड़ित वर्ग की कहानी है, जो बलवान नेता के नेतृत्व में अपनी लड़ाई लड़ता है।

द पैराडाइज के लिए दर्शक बेहद उत्साहित नजर आए। फिल्म निर्माता श्रीकांत ओडेला नानी के साथ दूसरी बार काम कर रहे हैं। दोनों इससे पहले 'दसारा' में साथ काम कर चुके हैं। फिल्म में नानी के साथ अभिनेत्री कीर्ति सुरेश अहम भूमिका में थीं। 'द पैराडाइज' के निर्माता सुधाकर चेरुकुरी हैं। इस फिल्म में देश के सबसे लोकप्रिय संगीत निर्देशकों में से एक अनिरुद्ध रविचंदर ने संगीत दिया है। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी जीके विष्णु ने की है और संपादन नवीन नूली करेंगे। विनय सागर जोत्राला फिल्म के मुख्य सह-निर्देशक हैं, जबकि संवाद थोटा श्रीनिवास और अज्जू महाकाली ने लिखे हैं।

जान्हवी कपूर और राम चरण 'आरसी 16' के अगले शेड्यूल के लिये तैयार!

बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर साउथ इंडियन अभिनेता राम चरण के साथ आगामी फिल्म 'आरसी 16' में व्यस्त हैं। फिल्म की शूटिंग हैदराबाद में पहले ही शुरू हो चुकी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनो अब फिल्म के अगले शेड्यूल के लिए कमर कस रहे हैं। आइए जानते हैं फिल्म का अगला शेड्यूल किस शहर में शूट होगा।

इस शहर में शूट होगा अगला शेड्यूल

फिल्मफेयर की रिपोर्ट के मुताबिक राम चरण और जान्हवी की फिल्म का अगला शेड्यूल कथित तौर पर नई दिल्ली में होने वाला है। हालांकि, फिल्म की टीम या अभिनेताओं की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई हैं। इसे लेकर सिर्फ अटकलें लगाई जा रही हैं। एआर रहमान इस फिल्म के लिए संगीत तैयार कर रहे हैं। फिल्म के रिलीज की तारीख अभी तक तय नहीं हुई है।

अभिनेत्री प्रीति शुक्ला जल्द ही हुमा कुरैशी के साथ फिल्म बयान में आएंगी नजर

टेलीविजन, वेब सीरीज और फिल्मों में अपनी शानदार अदाकारी से पहचान बना चुकीं वर्सटाइल एक्ट्रेस प्रीति शुक्ला जल्द ही बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी के साथ आगामी फिल्म बयान में नजर आने वाली हैं। अपने अभिनय के जुनून और हर माध्यम में खुद को साबित करने की चाहत के चलते प्रीति ने हमेशा चुनौतीपूर्ण किरदारों को चुना है। प्रीति शुक्ला ने अपने अभिनय करियर में कई दमदार भूमिकाएं निभाई हैं। उन्होंने सोनी सब के चर्चित शो मैडम सर, एंड टीवी के बेगूसराय, और एमएक्स प्लेयर की लोकप्रिय वेब सीरीज माधुरी टॉकीज में अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों में जगह बनाई। इसके अलावा, उनकी तेलुगु फिल्म बिग ब्रदर और हिंदी फिल्म एक अंक को भी खूब सराहना मिली। सिर्फ एक्टिंग ही नहीं, बल्कि प्रीति फैशन इंडस्ट्री में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करवा चुकी हैं। वे कई नामी ब्रांड्स से जुड़ी रही हैं और पॉल एडम्स और लोटस हर्बल जैसे बड़े ब्रांड्स की ब्रांड एंबेसडर भी रह चुकी हैं। उनकी खूबसूरती और स्टाइल सेंस सोशल मीडिया पर भी छाया रहता है, जहां वे अपनी स्टनिंग तस्वीरों से फैंस का दिल जीतती हैं। इसके अलावा भी फैशन की दुनिया में उनकी अच्छी खासी पकड़ रही है। अब प्रीति जल्द ही हुमा कुरैशी के साथ बयान में नजर आएंगी।

संदीप वांगा ने सलमान खान की इन फिल्मों की तारीफ की

फिल्म एनिमल के निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा इन दिनों अपनी कई फिल्मों को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इसी बीच उनका एक इंटरव्यू सामने आया है, जिसमें उन्होंने सलमान खान की दो फिल्मों को क्लासिक फिल्म कहा है साथ ही इनका सीक्वल ना बनाने की बात भी कही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान संदीप से जब पूछा गया कि वह फ्यूचर में हम आपके हैं कौन और हम साथ साथ हैं में से किस फिल्म का सीक्वल बनाना चाहेंगे। तो इस पर संदीप ने कहा, ये फिल्में उस समय बनाई गई थीं जब व्यावसायिक सिनेमा अपने चरम पर था। इन दोनों ही फिल्मों को काफी विश्वास के साथ तैयार किया गया था और मैं उन क्लासिक्स को छूने की हिम्मत नहीं कर सकता था।

दोनों ही फिल्मों में सलमान खान हैं

हम आपके हैं कौन और हम साथ साथ हैं दोनों सूरज बड़जात्या द्वारा निर्देशित फिल्में हैं। हम आपके हैं कौन में सलमान खान के अलावा माधुरी दीक्षित ने मुख्य अभिनय किया था। इस फिल्म को सुरज बड़जात्या ने लिखा और निर्देशित किया है और यह फिल्म राजश्री प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित है। फिल्म हम आपके हैं की कहानी से लेकर इस फिल्म के गाने आज भी दर्शकों को बेहद पसंद हैं।

वहीं फिल्म हम साथ साथ हैं में भी सलमान खान मुख्य भूमिका में थे। हम साथ साथ हैं एक पारिवारिक ड्रामा फिल्म है। यह फिल्म राजश्री प्रोडक्शंस के तहत सूरज बड़जात्या द्वारा लिखित और निर्देशित है। इस फिल्म में सलमान खान के अलावा सैफ अली खान, सोनाली बेंद्रे, नीलम कोठारी, करिश्मा कपूर, तब्बू, महेश ठाकुर, रीमा लागू, आलोक नाथ, शक्ति कपूर, सतीश शाह, सदाशिव अमरापुरकर, अजीत वाचानी हिमानी शिवपुरी और मनीष बहल ने अहम भूमिका निभाई थी। रिलीज के बाद अपनी आपार सफलता और दर्शकों के प्यार ने इसे क्लासिक फिल्म बना दिया।

मीका सिंह को बिपाशा के साथ काम करने का अफसोस

सिंगर मीका सिंह ने बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर के साथ फिल्म में काम करने के अनुभव को साझा किया है। एक इंटरव्यू में मीका ने कहा है कि क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज 'डेंजरस' में अभिनेत्री बिपाशा बसु के साथ काम करना उनके लिए बुरा अनुभव रहा।

नखरे की वजह से नहीं मिल रहा काम

एक इंटरव्यू में गायक ने कहा कि बिपाशा ने सीरीज में काम करते समय नखरे दिखाए। वो अपने रवैये के कारण आज काम से बाहर हैं। मीका कहते हैं- 'आपको ऐसा क्यों लगता है कि वे अब काम से बाहर हैं? भगवान सब देख रहा है। मैं करण को बहुत पसंद करता था और एक कम बजट की फिल्म बनाना चाहता था। लगभग 4 करोड़ रुपए की।'

बिपाशा प्रोजेक्ट में जबरदस्ती शामिल हुई

मीका आगे कहते हैं कि उस समय वो विक्रम भट्ट को बतौर निर्देशक अफोर्ड नहीं कर सकते थे। इसलिए उन्होंने उन्हें भूषण पटेल को डायरेक्टर के लिए चुना। हालात तब बदल गए जब बिपाशा ने इस प्रोजेक्ट में शामिल होने की जिद की। मैं किसी और एक्ट्रेस को लेने पर विचार कर रहा था, लेकिन वह इसका हिस्सा बनना चाहती थीं। शूटिंग लंदन में सेट की गई थी। बजट 4 करोड़ से बढ़कर 14 करोड़ हो गया। फिर बिपाशा ने जो नाटक क्रिएट किया, उससे यह तय हो गया कि मुझे प्रोडक्शन में आने का हमेशा अफसोस रहेगा। यह एक ऐसी टीम थी जिसके साथ वह सहज थीं और वे दोनों एक कपल की भूमिका निभा रहे थे। उनका किसिंग सीन भी था। अचानक, वो नखरे दिखाने लगीं कि वह ऐसा नहीं करेंगी। मीका ने यह भी साझा किया कि उन्होंने कभी भी उनके पेमेंट में देरी नहीं की। लेकिन जब डबिंग की बात आई तो वो भी पूरा करना मुश्किल होने लगा। उन्होंने कहा, 'किसी न किसी का गला हमेशा खराब रहता है। अगर एक समय बिपाशा बीमार थी तो दूसरे समय करण बीमार थे। बता दें कि एमएक्स ओरिजिनल की क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज 'डेंजरस' 2020 में रिलीज़ हुई। मीका इस सीरीज के प्रोड्यूसर थे। विक्रम भट्ट ने इसकी कहानी लिखी थी।

क्या रवि दुबे-सरगुन मेहता की जोड़ी छोटे पर्दे पर साथ आएगी नजर?

हाल ही में कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि रवि दुबे और सरगुन मेहता एक नए टीवी सीरियल में साथ नजर आएंगे। यह दोनों एक फैमिली ड्रामा सीरियल का हिस्सा जल्द ही बनेंगे। रवि दुबे और सरगुन मेहता असल जिंदगी में भी पति-पत्नी हैं, दोनों की शादी साल 2013 में हुई थी। सरगुन मेहता ने कई टीवी सीरियल्स किए हैं। इन दिनों वह पंजाबी फिल्मों में लीड एक्ट्रेस के तौर पर एक्टिव हैं। रवि दुबे भी कई टीवी सीरियल कर चुके हैं। होस्टिंग भी करते हैं। जल्द ही वह रणबीर कपूर की फिल्म रामायण में लक्ष्मण की भूमिका निभाते हुए दिखेंगे।

समाचार गेट
HARHIN11569

स्वामी (मुद्रक, प्रकाशक) रवीना यादव द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर-6, नोएडा 201301, उत्तर प्रदेश से मुद्रित करवाकर कार्यालय मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) से प्रकाशित किया। संपादक: कृष्णा शर्मा। संपादकीय कार्यालय: मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) पीआरपी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। कानूनी सलाहकार: बृहमदत शर्मा, 9818180269, ईमेल : krishna24news@gmail.com

अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ ने स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया और वाको इंडिया किकबॉक्सिंग फेडरेशन के साथ मिलकर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया

समाचार गेट/सुमित गोयल

बल्लभगढ़। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ की महिला सेल ने वाको इंडिया किकबॉक्सिंग एसोसिएशन और स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के साथ मिलकर एक अनोखा आयोजन 06 मार्च, 2025 को किया। यह आयोजन भारत सरकार की एक बड़ी पहल का हिस्सा था। जिसमें अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ पूरे भारत में 32 केंद्रों में से एक था। इस आयोजन का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण, आत्म-रक्षा, और शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देना था। महिला सेल की प्रभारी डॉ. इन इनायत चौधरी ने इस आयोजन का समन्वय किया। आयोजन की शुरुआत किकबॉक्सिंग प्रशिक्षण सत्र से हुई, जहां प्रतिभागियों ने वाको इंडिया किकबॉक्सिंग एसोसिएशन के अनुभवी प्रशिक्षकों से विभिन्न आत्म-रक्षा तकनीकों का अभ्यास किया। इस सत्र का फोकस महिलाओं को आत्म-रक्षा के लिए आवश्यक कौशल और आत्मविश्वास प्रदान करना था। इस आयोजन में डॉ. सरिका कंजलिया, डॉ. डिम्पल, और डॉ. सुप्रिया धन्दा, मिस गीता राठी, मिस मुस्कान कौशिक, डॉ. रचना कलसन, मिस राखी, मिस मीनू भाटी, मिस बबिता, मिस पूनम जैन और मिस भारती सिंघल ने भाग लिया। वाको इंडिया किकबॉक्सिंग फेडरेशन के डिग्निटरीज, जनरल मैनेजर श्री सौरभ, कोच और 110 छात्रों ने इस आयोजन में भाग लिया। यह आयोजन कॉलेज गवर्निंग बॉडी के अध्यक्ष श्री देवेंद्र कुमार गुप्ता, जनरल सेक्रेटरी श्री दिनेश गुप्ता, और प्रिंसिपल डॉ. संजीव कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था। आयोजन का समापन महिला सशक्तिकरण और आत्म निर्भरता के महत्व पर जोर देने वाले प्रेरक भाषणों के साथ हुआ। अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ की महिला सेल महिला सशक्तिकरण और विकास को बढ़ावा देने के लिए ऐसे आयोजनों का आयोजन करने की योजना बना रही है।

लोकमाता अहिल्याबाई होलकर जयंती एवं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

समाचार गेट/सुमित गोयल

बल्लभगढ़। अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ में महिला प्रकोष्ठ एवं राष्ट्र सेविका समिति फरीदाबाद विभाग के संयुक्त तत्वाधान में लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती एवं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा के प्रधान एवं अग्रवाल कॉलेज गवर्निंग बॉडी के अध्यक्ष श्री देवेंद्र कुमार गुप्ता एवं अग्रवाल कॉलेज गवर्निंग बॉडी के महासचिव श्री दिनेश गुप्ता (एडवोकेट) के कुशल मार्गदर्शन में महाविद्यालय में समय-समय पर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु अनेकानेक कार्यक्रम होते रहते हैं, इसी श्रृंखला में यह कार्यक्रम अग्रवाल महाविद्यालय कार्यवाहक प्राचार्य डॉ संजीव गुप्ता के कुशल नेतृत्व में आयोजित किया गया। दीपशिखा प्रज्ज्वलन एवं अतिथि स्वागत के साथ कार्यक्रम का प्रारंभ हुआ। प्राचार्य डॉ संजीव कुमार गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि अहिल्याबाई का जीवन अनुकरणीय है, उनके जीवन से प्रेरणा लेकर आज नारी को सशक्त होना चाहिए। समिति सदस्य ममता जी ने समिति का परिचय दिया। इस शुभ अवसर पर विद्यार्थियों ने भाषण, नाटक इत्यादि के माध्यम से अहिल्याबाई के जीवन वृत्त को समझाया और संवाद के माध्यम से नारी सशक्तिकरण पर अपने विचार सांझा किये। राष्ट्र सेविका समिति की अधिकारी रजनी गुलाटी, जी सुषमा तोलंबिया जी सुनीता सिंघल जी के साथ-साथ समिति सदस्य श्रीमती किरण आनंद उपसथित थी। महिला प्रकोष्ठ संयोजिका डॉ रेखा सेन, डॉ उषा चौधरी, डॉ रेनू महेश्वरी, डॉ पूनम रैटुला एवं अर्थशास्त्र विभाग के प्राध्यापकों के प्रयासों से यह कार्यक्रम सफल हुआ। इस कार्यक्रम में अग्रवाल कॉलेज स्नातक एवं स्नातकोत्तर के लगभग 100 विद्यार्थियों ने भाग लिया और कार्यक्रम को सफल बनाया। समिति सदस्य सुषमा जी के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन हुआ।

बल्लभगढ़ सोहना पुल को लेकर विधायक मूलचंद शर्मा ने उपयुक्त फरीदाबाद और पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों के साथ की बैठक

समाचार गेट/सुमित गोयल

बल्लभगढ़। बल्लभगढ़ में बनने वाले सोहना फ्लाइओवर के कार्य में हो रही देरी के चलते पूर्व केबिनेट मंत्री और विधायक मूलचंद शर्मा ने ली जिला उपायुक्त फरीदाबाद और पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों के साथ बैठक। लघु सचिवालय में जिला उपायुक्त विक्रम सिंह के कार्यालय पहुंचकर ली बैठक। इस में एक्सईन प्रकाश लाल डीआरओ सुशील शर्मा ,तहसीलदार भूमिका लांबा सहित अन्य अधिकारीगण रहे मौजूद। फ्लाईओवर निर्माण कार्य को लेकर एक सप्ताह में दूर होगी सभी अड़चने, जल्द खुलेगा टेंडर, विधायक मूलचंद शर्मा ने कहा बल्लभगढ़ में सोहना फ्लाईओवर मुख्यमंत्री की घोषणा। बल्लभगढ़ को जाम मुक्त करने की दिशा में चल रहे कार्य जल्द ही कराये जाऐंगे पूरे मोहना एलिवेटिड पुल के कार्य को भी रफ्तार देने के दिए निर्देश। सोहना फ्लाई ओवर के निर्माण में बाधा बनी एक निजी कंपनी की पूल के हिस्से में आने वाली जमीन की जल्द होगी रजिस्ट्री,सभी कागजी कार्यवाही पूरी,उसके बाद खुलेगा टेंडर, विधायक मूलचंद शर्मा ने कहा लोगो के लिए आने वाले दो साल बल्लभगढ़ के चौमुखी विकास के नाम, 2027 का बल्लभगढ़ होगा हरियाणा का रोल मॉडल, मुजेसर फाटक पर भी बनेगा अंडर ब्रिज।

सेक्टर 7 में ज्वेलरी की दुकान पर हुई लूट के मामले में गिरफ्तार आरोपी 09 मार्च तक पुलिस रिमांड पर

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। बता दें कि 07 जनवरी को सुबह करीब 10-30 बजे हुड्डा मार्किट सेक्टर 7 फरीदाबाद स्थित तरुण ज्वैलर्स की दुकान में नकाबपोशों द्वारा हथियारों के बल पर लूट की वारदात को अंजाम दिया था, जिस पर विनय वासी सेक्टर 7 फरीदाबाद की शिकायत पर थाना सेक्टर 8 में लूट की धाराओं में मामला दर्ज किया गया। अपराध शाखा सेक्टर 30 प्रभारी इंस्पेक्टर अनिल कुमार ने बतलाया कि सेक्टर 7 में ज्वेलरी की दुकान पर हुई लूट के मामले में शामिल 6 आरोपी रिजवान (29) वासी गांव रसूलपुर नंगला जिला बिजनौर उत्तर प्रदेश, मोहम्मद अहमद (45) वासी गांव चुचैला कलां जिला अमरोहा उत्तर प्रदेश, मुबीन उर्फ बबलू(35) वासी लक्ष्मी नगर गजरोला उत्तर प्रदेश, सौरभ वर्मा(29) वासी गांव चुचैला कलां जिला अमरोहा उत्तर प्रदेश व इरशाद(25) वासी गांव रसूलपुर नंगला जिला बिजनौर हाल बाटला हाउस जामिया नगर दिल्ली व विकार अहमद (42) वासी गांव सहसपुर जिला बिजनौर उत्तर प्रदेश हाल सीलमपुर दिल्ली को पूछताछ के लिए 09 मार्च तक पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा। आरोपी विकार अहमद को 03 मार्च को गिरफ्तार किया था। जो पुलिस रिमांड पर है। गिरफ्तार अन्य 5 आरोपियो को पुलिस रिमांड पर लिया है।

प्रतिबंधित पॉलीथिन और गंदगी फैलाने पर नगर निगम सख्त

अलग-अलग मामलों में पिछले 64 दिनों में किए 2272 चालान

शहरवासियों से निगम की अपील शहर को स्वच्छ बनाने में करें सहयोग

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। नगर निगम फरीदाबाद द्वारा अलग-अलग जॉन में सफाई विभाग द्वारा खुले में गंदगी फैलाने और प्रतिबंधित पॉलीथिन सहित पिछले 64 दिनों में 2272 चालान किए। स्वच्छता सर्वेक्षण मिशन को पूरा करने के लिए सभी जोन में स्वच्छता अभियान चलाए जा रहे हैं।इसी दिशा में नगर निगम कमिश्नर ए मोना श्रीनिवास के मार्गदर्शन में फरीदाबाद नगर निगम द्वारा भी लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है और नियम तोड़ने वाले लोगों पर कार्रवाई भी की जा रही है।

नगर निगम के सफाई मुख्यालय से प्राप्त जानकारी के मुताबिक सफाई विभाग ने अलग अलग जॉन में अपनी टीम के माध्यम से गार्बेज के 491,बर्निंग के 84, डेरी के 91 डस्टबिन के 16 मीट शॉप के 127 और अन्य चालान किए गए है।निगम द्वारा गंदगी फैलाने और अन्य कई प्रकार के चालान समय समय पर किए गए हैं।सफाई मुख्यालय के निरीक्षक बिशन तेवतिया ने बताया की ये चालान लगभग 18 लाख से जूयादा के हैं ।आगे भी यह अभियान जारी रहेगा। नगर निगम द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण के मद्देनजर लोगों से अपील की है कि खुले में जगह जगह कूड़ा न डालें और प्रतिबंधित पॉलिथीन के प्रयोग से बचे,ताकि फरीदाबाद शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाया जा सके।

महिला सफाई मित्र और सेल्प हेल्प समूह और एनजीओ से जुड़ी महिलाओं को स्वच्छता के प्रति किया गया जागरूक

महिलाओं को सशक्त बनाना ही लक्ष्य है, गृहणी ही अपने घर से देती हैं स्वच्छता का संदेश

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 मद्देनज़र नगर निगम सेल्प हेल्प समूह से जुड़ी की महिलाओं अथवा महिला सफाई मित्रों को जागरूक करने के लिए अभियान चलाया गया है। इस अभियान में आज निगम के सभागार में सेमिनार का आयोजन किया गया। निगम के टेक्निकल एडवाइजर एवं रिटायर्ड चीफ इंजीनियर अनिल मेहता, स्वच्छता मिशन की नोडल एक्सपर्ट कल्पना सिंह मंडल और स्वच्छता मिशन के एक्सपर्ट आश्रय की देखरेख में सभी महिलाओं को जागरूक किया गया। निगम के रिटायर्ड चीफ इंजीनियर एवं टेक्निकल एडवाइजर अनिल मेहता ने जानकारी देते हुए कहा कि महिलाएं ही स्वच्छता सर्वेक्षण में अहम भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा की ठोस कचरा और गीला कचरा को अपने घर पर ही अलग अलग डस्टबिंन में डालकर शुरुआत की जा सकती हैं। महिलाओं को यहाँ प्रतिबंधित पॉलीथिन के बारे में भी जानकारी दी गई। स्वच्छता मिशन में कार्य के रहे जेई अंकित गोयल ने जानकारी देते हुए बताया की महिलाओं को सशक्त बनाना ही लक्ष्य है क्योंकि गृहणी ही अपने घर से स्वच्छता का संदेश अपने घर से दे सकती है, जिससे समाज में जागरूकता आ सके। इस मौके पर सफाई मुख्यालय से सफाई निरीक्षक बिशन तेवतिया भी मौजूद रहे।

गुरुग्राम के शीतला माता मंदिर में 16 मार्च से 15 अप्रैल तक होगा चैत्र मेला

डीसी अजय कुमार ने मेला प्रबंधन से जुड़े विभागों को सौंपी जिम्मेदारियां

समाचार गेट/संजय शर्मा

गुरुग्राम। गुरुग्राम के श्री शीतला माता मंदिर में 16 मार्च से 15 अप्रैल तक चैत्र मेले का आयोजन किया जाएगा। इस मेले के आयोजन को लेकर श्री माता शीतला देवी श्राइन बोर्ड ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। उपायुक्त (डीसी) अजय कुमार ने चैत्र मेले के आयोजन को लेकर गुरुवार को मंदिर परिसर में संबंधित अधिकारियों तथा बोर्ड के सदस्यों की बैठक ली। गुरुग्राम के मुख्य बस अड्डे तथा रेलवे स्टेशन से निर्धारित अंतराल पर राज्य परिवहन की विशेष बसें मंदिर के लिए चलाई जाएंगी ताकि श्रद्धालुओं को मंदिर तक पहुंचने में किसी प्रकार की कठिनाई ना हो।

डीसी ने कहा कि मेले के दिनों में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से मंदिर परिसर में मेडिकल पोस्ट स्थापित की जाएगी, जहां पर 24 घंटे स्वास्थ्य कर्मियों की ड्यूटी रहेगी। इसके अलावा, एंबुलेंस भी 24 घंटे उपलब्ध रहेंगी ताकि किसी को भी स्वास्थ्य संबंधी ज्यादा दिक्कत होने पर नजदीकी अस्पताल में जल्द से जल्द पहुंचाया जा सके। इसी तरह मेला के दिनों में फायर ब्रिगेड के वाहन भी 24 घंटे उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने बोर्ड के सीईओ अंकित चौकसे को निर्देश दिए कि वे मंदिर परिसर व बाहर स्थित प्रसाद की दुकानों के मालिकों के साथ बैठक कर यह सुनिश्चित करें कि वे प्रसाद की गुणवत्ता का ध्यान रखते हुए दुकान के आसपास सफाई का भी विशेष ध्यान रखे।

इसके अलावा, मंदिर परिसर में करीब 4.8 एकड़ में माता मंदिर के नए बहुमंजिला भवन निर्माण के संदर्भ में डीसी अजय कुमार ने श्री शीतला माता देवी मंदिर परिसर का दौरा किया। करीब 90 करोड़ की लागत से तैयार हो रहे इस नए भवन का 72 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। भवन के डिजाइन में कुछ परिवर्तन होने के चलते निर्माण कार्य मे थोड़ा विलम्ब हुआ है। अब यह निर्माण कार्य इस वर्ष के अंत तक पूरा हो जाएगा।

इससे पूर्व डीसी ने मंदिर में माता शीतला के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। डीसी अजय कुमार ने श्री माता शीतला देवी श्राइन बोर्ड के सीईओ अंकित चोकसे से श्राइन बोर्ड की कार्य प्रणाली के बारे में चर्चा की। मंदिर परिसर में चल रहे माता के नए भवन के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा भी की। इस दौरान मंदिर प्रबंधन के अधिकारी व श्री माता शीतला देवी के नए भवन के निर्माण से जुड़ी संस्था के अधिकारी भी मौजूद रहे।

कांग्रेसी नेता अनिल कुमार नेताजी ने की हरियाणा कांग्रेस प्रभारी से मुलाकात

समाचार गेट/जितेंद्र सिंह

फरीदाबाद। हरियाणा कांग्रेस कमेटी के प्रभारी बीके हरिप्रसाद से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अनिल कुमार नेताजी ने कर्नाटक भवन में मुलाकात की। इस दौरान अनिल कुमार नेताजी ने बीके हरिप्रसाद का फूलों का बुक्के भेंट कर स्वागत किया। इस मौके पर अनिल कुमार नेताजी ने बीके हरिप्रसाद से संगठन को लेकर विचार विमर्श किया और विश्वास दिलाया कि जल्द ही कांग्रेस पार्टी का संगठन बनेगा और जिसमें मेहनती और कर्मठ कार्यकर्ताओं को जिम्मेवारियां सौंपी जाएगी। बीके हरिप्रसाद ने कहा कि कांग्रेस देश व प्रदेश में मजबूत विपक्ष की भूमिका निभा रही है और आम लोगों की आवाज को सडक से लेकर संसद तक उठा रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि हरियाणा में हुए निकाय चुनावों में कांग्रेस प्रत्याशी बड़ी संख्या में विजयी होंगे। इस मौके पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अनिल कुमार नेताजी ने बीके हरिप्रसाद को विश्वास दिलाया कि फरीदाबाद में कांग्रेस संगठन निरंतर मजबूत हो रहा है और कर्मठ व मेहनती कार्यकर्ता पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने में जी जान से जुटे है। इस मौके पर उनके साथ मुख्य रुप से पुरुषोत्तम लाल व युवा कांग्रेसी नेता गौरव चौधरी मौजूद थे।